AYZ=24

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

2

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆯𑇀𑆫𑆵𑇆
𑆩𑆬𑇆
𑇓

𑇑𑇅 𑆃𑆡 𑆯𑆴𑆮𑆾𑆑𑇀𑆠𑆁 𑆩𑆲𑆼𑆯𑆩𑆳𑆓𑆮𑆴𑆠𑆥𑆮𑆥𑆵𑆥𑆫𑆴𑆮𑆸𑆠𑇀𑆠𑆼𑇅 𑆱𑆠𑆴𑆤𑇀𑆓𑇀𑆫𑆵
𑆥𑆼𑆤𑆵𑆣𑆴𑆥𑆮𑆤𑆮𑆠𑇀𑆫𑆴𑆱𑆴𑆠𑇀𑆠𑆩𑆬𑆴𑆓𑆢𑆼𑇅 𑆱𑆴𑆮𑆑𑆾𑆱𑆠𑇀𑆫𑆥𑆫
𑆱𑆴𑆮𑆥𑆛𑆑𑇀𑆮𑆴𑆬𑆪𑆁𑇅 𑆖𑆿𑆠𑇀𑆫𑆼𑆝𑆁𑆗𑆾𑆂 𑆑𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆤𑆱𑆴𑆝
𑆤𑆖𑆬𑆢𑆵𑆩𑆳𑇅𑇓𑇅 𑆱𑆢𑆵𑆩𑆶𑆬𑆛𑆫𑆑𑆩𑆥𑆴𑆱𑆬𑆴𑆥𑆶𑆫
𑆘𑆠𑆮𑆢𑇅 𑆯𑆴𑆠𑆼𑆱𑇀𑆫𑆛𑆴𑆥𑆶𑆫𑆼𑆲𑆘𑆴𑆩𑆘𑆠𑆱𑆑𑆶𑆩𑆩𑆥𑆴
𑆩𑆼𑆥𑆴𑆑𑇀𑆫𑆩𑆛𑆼𑆱𑆑𑆬𑆱𑆥𑆴𑆑𑆴𑆢𑇀𑆫𑆘𑆬𑆥𑆰𑇅 𑆱𑆢𑆩𑇀𑆫
𑆓𑆥𑆩𑇀𑆩𑆢𑆳𑆢𑆱𑆴𑆥𑆢𑇀𑆫𑆼𑆮𑆴𑆢𑆳𑆩𑆴𑇅𑇗𑇅 𑆃𑆡𑆡𑆫𑆩

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆑𑆥𑆳𑆬𑆩𑆫𑆷𑆑𑆼 ॥ 𑆓𑆴𑆮𑆴𑆢𑇀𑆫𑆴𑆰𑆳𑆁𑆑𑆩𑆤𑇀𑆠𑆩𑆴𑆓𑆩𑆠𑇀𑆠𑆂
𑆥𑆳𑆰𑆶𑆫𑆴𑆠𑆪𑆼 ॥ 𑆓𑆤𑆩𑆼𑆢𑇀𑆫𑆰𑆶𑆰𑇀𑆫𑆠𑇀𑆠𑆳𑆟𑆴𑆑𑆥𑆳𑆬𑆩𑆓𑆴
𑆬𑆼 ॥ 𑆩𑆶𑆥𑆳𑆥𑆼𑆩𑆶𑆰𑆩𑆑𑇀𑆥𑆥𑆴𑆠𑆮𑆥𑆓𑆶𑆪𑆓𑆩𑆳 ॥
𑆩𑆳𑆲𑆼𑆢𑇀𑆫𑆶𑆩𑆶𑆲𑆁𑆩𑆩𑆴𑆪𑆶𑆓𑆼𑆢𑆤𑆩𑆑𑆁 ॥ 𑆮𑆳𑆢𑇀𑆩𑆁𑆢
𑆬𑆩𑆓𑆴𑆑𑆠𑆶𑆓𑆴𑆑𑆥𑆩𑆶𑆑𑆟𑆩𑆳 ॥ 𑆩𑆢𑆢𑇀𑆢𑆢𑆁
𑆑𑆰𑆩𑆥𑆴𑆩𑆁𑆩𑆠𑇀𑆫𑆴𑆓𑆟𑆠𑆼 ॥ 𑆩𑆮𑆢𑆵𑆫𑆶𑆓𑆩𑆥𑆴
𑆩𑆮𑆵𑆓𑆑𑆬𑆴𑆠𑆪𑆂 ॥ 𑇑𑇐 ॥ 𑆑𑆮𑆴𑆓𑆁𑆩𑆴𑆠𑆂𑆑𑆩

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

7

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री ।
भ॰ ली॰ ।

९

ग्न्यविक्रान्त्स्तउमं ॥ हरिद्धुमः ठत्तेदिमकारमिल
प्रतिमिवग्रः ॥ ममद्(?)त्त्वरुदंममयतिमक्रान्त्तु तिप ऽ
व ॥ द्व रल्लधुंमदप्नु माववयतिमठठ रमिवय ॥ ४ ॥ उ
भिल्लापउंत्रीउपनमसिवैस्नुनरमयी ॥ निषत्स्त्रु ष
ष्ठुमखुपगिकमल र्पं उवकलमः ॥ मदपद्मटहं
नितमलमयेनमनम ॥ मदत्तुः पम्नुत्तेरुठतिपार
मयकूलरुगीमः ॥ ४० ॥ ठवनिवृंदमेभायिविउरम्

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

षुं भकर्णं ॥ मित्रि प्रुं त्रुं वाङ्गु क्र ब य त्रि ठ व नि द्रु मि
त्रि यः ॥ उ ऋै व ड्रं त्र म्रै ठि म भि नि ल्म म प ट्ट प म वी ॥
भ जु र्च व्रु क्रि ह्रू ह्र म्फ्र ट्म त्रु ट्व वी र ल्ति उ प म म ॥ ११ ॥
ठ य ह्र द्रु व भं व प्रा प रि स्व द्रु न भ न भ ॥ म गी रं व म श्रे
र प रा भा पि म द्वि ह्र ड भ क्रु त्र ॥ उ ष जि द्रु मू पं भ क ल भ
क त्र ठं द्वि न य रं ॥ क्रु म्र ह्र भ न भूं जु ल्पि ल म मि श्र र्फ
ल म जु ट्म र ॥ ल्प ग क्रु त्र उ र्ड ड शी ठ व त्रि म हृः ज प य

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

12

तत्रापि संसीलति स्वस्थं ॥ मदसं दशरश्मिं विलसति
सति स्वस्थत्रसे ॥ ३ ॥ रूपेरूपं मिलित्वा सकलमपि
सृष्टिं विगमन ॥ गाढः पूर्णधिष्ठं सत्तासमनन्त
रूप विगतिः ॥ पूर्णः मः सचैव सः सकलमापसमस्त
न्द्रियं रूपं ॥ सपरं परं यथाधुवडवत्तुपर्वेसविलसित
मा ॥ ३१ ॥ मठमपृष्ट्वा कृपूत्रिकयल्पासत्त्वहृदालो ॥
विपकृत्ते विश्व विठिसत्साप कृत्स्नविषप्रः । का

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री
मं ल
३

13

लंपटेंद्रकवलितवपुः कलकलना ॥ नमस्ते भुजमूलं
उपवस्यानितटाक्षमहिमा ॥ ३३ ॥ कृत्ते देवीहृः स्थि
तमभिमतं मनसमम्मी ॥ ममकृं मे कृटपूकारमक
गकृं विक्रितिङि ॥ उवम्भिकृाभुवकमूकगोषक्रमरा
ला ॥ विमज्जमज्जीवः कालमसाल्लः षक्षराल
उभा ॥ ३७ ॥ कीगीटं वेगिक्षुपारिभिल्ल्दिल्ल्मू
गिमउत्पभा ॥ पूलमूषवेउषपूमकमळियाउमू

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆜𑆮𑆁 ॥ 𑆝𑆳𑆩𑇀𑆲𑇀𑆫𑆑𑇀𑆱𑆶𑆪𑆼𑆠𑆮𑆥𑆳𑆓𑆴𑆬𑇀𑆪𑆼𑆑𑇀𑆠𑆴𑆖𑆴𑆠𑇀𑆪𑆪𑆠𑆼 ॥ 𑇓 ।
𑆩𑆠𑆶𑆥𑇀𑆱𑆥𑇀𑆬𑆷𑆠𑆽𑆂 𑆱𑆑𑆬𑆩𑆥𑆴𑆱𑆢𑇀𑆢𑆶𑆪𑆜𑆮𑆁 ॥ 𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑆶𑆱𑆶
𑆠𑆶𑆱𑇀𑆛𑆴 𑆱𑇀𑆛𑆶𑆥𑇀𑆱𑆮𑆥𑆳𑆠𑆠𑇀𑆫𑆷𑆂 𑆥𑆯𑆶𑆥𑆠𑆼𑆂 ॥ 𑆥𑆫𑆩𑆶𑆠𑆴𑆠𑆶𑆢
𑆩𑆳𑆥𑆴𑆬𑆥𑆤𑆱𑆯𑇀𑆠𑆽𑆑𑆥𑇀𑆪𑆳𑆛𑆳𑆤 ॥ 𑆯𑇀𑆫𑆶𑆠𑆁𑆠𑆠𑆁𑆛𑆴𑆠𑆴𑆠
𑆬𑆩𑆮𑆠𑆵𑆠𑆳𑆛𑆴𑆜𑆩𑇀 ॥ 𑇓𑇐 ॥ 𑆯𑆴𑆮𑆂 𑆯𑆑𑇀𑆠𑆴𑆂 𑆑𑆩𑆂
𑆛𑆴𑆠𑆴𑆮𑆳𑆮𑆴𑆂 𑆯𑆵𑆠𑆑𑆴𑆫𑆟𑆂 । 𑆃𑆾𑆁 𑆠𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆲𑆱𑇀𑆫𑆶
𑆤𑆩𑆥𑆳𑆮𑆳𑆢𑆪𑆳𑆪𑆂 ॥ 𑆱𑆩𑆵𑆲𑆬𑇀𑆬𑆳𑆥𑆛𑆴𑆱𑇀𑆩𑆴𑆜

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री.
मे. ल.
७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

16

ड्या ॥ क्षिउ भमङ्गे वं भमा र प र भ न ऋ पायैः ॥ उप ॥
मनभुं यैमङ्गं मनरू भिमनक्ष्म गबिा भि ॥ ह्व न प ष्मु
रु भिमुयिपा ि ॥ ड्यनडिपाम ॥ ड्वैवभुङ्ग
नैपा ि ॥ मयिंडु विमुवपधषं ॥ मिरुन ऋकां गमि
वमाड्रि षि ठवैन गहूषे ॥ उवङ्कू मऋ ंमुउपनमामि
केरिहृउिठं ॥ पामष्ठै वर्छ पागिभिलिउपसूं
पाििमिडं ॥ यमां ष्ट ठ ऋुं गविमामिमुसीनभवि

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

सू· ००
से·

दुष्कृष्टिः शिशिरामपमं रं रमयति ॥ १९ ॥ उदयं नमले
मदमभयपयलभूपाय ॥ उदस्तं वच्छेउदाममदहह
ऋवरम्भा ॥ उठहमेडहमठयविवितिमच्छिमूदय
य ॥ मनवहृमक्तिमनकलनवीमहृगामिमा ॥ ॥
॥ २० ॥ गउम्लिद्हंगगनमलिकिः ममूर्ध्वाशिरे ॥ ।
किरीटं देमेडेडिमगिरिमउकीडयाडियः ॥ उमीहृ
कुयय भूगालमवलंमभूमकलं ॥ ॐ नमः शिवमीरं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

२५

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री॰
गी॰
मे॰ ८॰
०२

श्रीमद्भगवत्पादे ॥ पुत्रः शुद्धस्त्वं मुक्तोऽसि नहीतः स्तव
पाठ ॥ ११ ॥ मङ्गं विहङ्गमे ङ्गे तिङ्गु नं सुरमिव ॥ प
विश्वोकचक्रः पशुपतिपरमेश्वरदृष्टे ॥ दयामिन्द्रेन्द्र
रुद्रमण्डलपूर्णमतामिदि ॥ वन्दे शैलेन्द्रनन्दपरन्त
नयेत्रिशूलममं ॥ स्वयं ओङ्कारभूपनयमिभंकोदम
नया ॥ उदपल्लकले ॥ पनयनयेम्बुरमाकिं ॥ वि
लीयन्ते त्वेयविवियन्ताभिषः मण्डिकं ॥ ७ पं मनु॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

उडुडुक्लम्पटकवर्टंक्रवलयं ॥ ॐ हंडि पूर्वे विमि
विश्वरूपविमडि ॥ निमे धेम्भेष हूं पूलय ... यंय
डिॐगडी ॥ उवेट फम्भ्नेत्ताल्लि ठग ॐ भूउनय ॥
वह्वेमेष हूं ङ्गागा ... भमेषं पूलयडं ॥ परि स्तु
मह्ल पगि हुउ निमेष भुवनमः ॥ ५ ॥ दम दू ष्वीय
मू फगफ लि उमीलै ह्रूल फम ॥ फवी पां भं फी नं भ
पयफपय भ भ पिमिवे ॥ मेनेनयं ठ ह्रै फवडि मम

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

महवीरोमः पूर्वमपरेयत्रंलिङ्गवेदे॥ स्वर्गेनभवं
सम्भुजिगिरिवमवद्य्रल्ल्दूव्मी॥ येनेमीयः ठलतुठ
लमभ्यकमनमितभाप॥ वदत्रतुमत्तः मिमिरोहिः
सूभप्यातिडः॥ भमकूयभुंगडिरपिममकूम
लिठः॥ ५३॥ पूर्तहगत्त्रयभुवम्मडिमतुस्कूद
मरु॥ त्रारकीममहेल्लनयडिकषविमूमलडं॥
ऊविंङ्कुम्रिमपूडिफलनलठमफलिडे॥ तुलं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

29

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

मामुहूँ अद्रि: परि॰ मडिम लि ज्ञवपष ॥ ८० ॥ रलि
ड़िद्व ऋै ह नप हडमि रम्भैः कवमि ठि: ॥ निढ्ढैत्र
म्रूं मुद्रिप रडा निम्नल विभापि: ॥ विगिक्ति म्रूपेम्र्ः म
मि विषम कजुग कलिक: ॥ विलपृत्तुभ ङमुववम
नड भुलकलिक: ॥ विपक्लृगा यडी विविणभवण
मेपमुपडे ॥ भूयगह्नैवकुंल लिडवम भम पवम
त्र ॥ ढ्रमीयेम्र वटै पलपिडडत्रीकलावं ॥ मिएं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री:
भे. १

वल्मीवीणांविमलत्रिम्लेखपिकृष्णभा ॥ कृष्णस्त्रैपधत्रि
ष्टैपाण्डभाषितुः कंबुकवची ॥ ठवग्रीवओतुभाषक
मलनलप्रियप्रियभा ॥ भ्रुः स्रेडः कलगुमवडल
ष्वलभलिन ॥ भज्ञेलीललिहेवडडियमठौ
डालडिक ॥ गलेडिम्भेगापगडिगामकगीडेकाति
पल ॥ विवदवहनकुष्ट्रिगुलगुलभक्षपूडिकृवः ॥
विरक्तैवनमविठभपारगाकाकृवं ॥ उपलेगृ

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

३५

सँ ॐ ह्रीं त्रिनियम सम्मी मसन्तवते ॥ ३८ ॥ गिरीमेवैस्मु
भक्तरणरपरक्रूलतय ॥ करगूहंमस्थेभ्राएकमलव
त्रुं गिरिमते ॥ कपक्षांवूमसुवमिवुकमेपभूरदितं
मञ्जलीमस्तीवंतवकुल्ललतयं मतमञ्जु ॥ ३९ ॥ म
तुष्ठिः सेक्र दंमरमिल्लठवःसुडिवसै ॥ रापिह्रः
मंतस्तू पूषमस्मनन्दतुकरिपि ॥ स्तुतुलंवत्रु ॐ
ममःसठयदस्यु दु ष्ठिया ॥ रापनमस्तूतेयवन

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

34

ह्रकलम्ने॥नमङ्केडमङ्के नगङ्कुलपड्केमनम्निनः
पिवङ्कुडे यम्भ रुविङ्गिडवधुमङ्गमनम्ने॥ङ्कुमग
वम्हपिङ्गिरमरुवमरुन ङ्कृ ङ्गुमलने॥११॥वडहम्वम्ब
म्हिनमम्हनहङ्कुङ्कुपङ्कृङ्किङ्कि:॥मम नङ्गुंमङ्कुंमलि
ङ्किनमलंडनलडिकंम॥ङ्कुम्रुठेगाङ्गिम्नुंठनरुङ्गि
ङ्गिनङ्कुःमवलिङमा॥पूङपङ्गु सिम्ंधुगरुमयि
ङ्कुःकीङ्गिमिवडे॥१०॥डवमङ्कुंमवङ्गेठालिठाक

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆠𑆩𑆶𑆮𑆴𑆨𑆵𑆬𑇀𑆬𑆽𑆓𑆘𑇀𑆚𑆳𑆪𑆱𑆩𑆽𑆰𑆁𑆮𑆱𑆩𑆠𑇀𑆠𑆵𑇆 𑆠𑇀𑆠𑆴𑆱𑆶𑆥𑆶𑆰𑇀𑆥𑆁
𑆂𑆨𑆶𑆓𑇀𑆫𑆳𑆪𑆝𑇀𑆠𑆴𑆬𑆰𑇀𑆜𑆁𑆤𑆪𑆝𑇀𑆠𑆴𑆩𑇆 𑆑𑆫𑆵𑆱𑆷𑆤𑇀𑆠𑆼𑆱𑆶𑆩𑇀𑆫𑆂𑆑
𑆤𑆑𑆑𑆩𑆬𑇀𑆬𑆵𑆑𑆰𑇀𑆛𑆥𑆬𑆬𑇀𑆬𑆵𑇆 𑆃𑆑𑆲𑇀𑆪𑆼𑆠𑆲𑇀𑆪𑆼𑆨𑆑𑆪𑆩
𑆥𑆴𑆠𑆴𑆬𑆴𑆲𑇀𑆜𑆮𑆠𑇀𑆠𑆵𑇆 𑆨𑆞𑆱𑇀𑆫𑆲𑆁𑆥𑆲𑇀𑆫𑆂𑆥𑆷𑆬𑇀𑆬𑆝𑇀𑆠𑆴𑆑𑆁𑆤𑆴𑆤
𑆲𑆁𑆓𑆴𑆠𑆴𑆨𑆠𑇀𑆠𑇆 𑆮𑆴𑆬𑇀𑆬𑆴𑆲𑇀𑆫𑆼𑆍𑆤𑆲𑆁𑆮𑆴𑆖𑇀𑆮𑆜𑆑𑆫𑆴𑆠𑇀𑆠𑆱𑆷𑆱𑇀𑆫
𑆪𑆩𑆥𑆴𑇆 𑆥𑆫𑆬𑇀𑆬𑆵𑆠𑇀𑆠𑆶𑆤𑆱𑆷𑆰𑇀𑆮𑆴𑆓𑆶𑆬𑇀𑆬𑆩𑆫𑆓𑆲𑆓𑆴𑆠𑆴𑆩
𑆠𑇀𑆠𑇆 𑆠𑆴𑆰𑆰𑇀𑆛𑆠𑇀𑆠𑆴𑆘𑇀𑆚𑆰𑇀𑆜𑆵𑆮𑆴𑆰𑆩𑆮𑆴𑆩𑆴𑆥𑆴𑆓𑆦𑆩𑆬𑆠𑇀𑆠𑇆 𑆪

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

33

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆩𑆬𑆪𑆑𑆫𑆳𑆓𑆼𑆬𑇀𑆬𑆱𑆟𑇀𑆝𑆵 𑇆 𑆱𑆓𑆴𑆲𑇀𑆤𑆼𑆲𑆼𑆜𑆱𑇀𑆤𑆶𑆱𑇀𑆩𑆴𑆪𑆨𑆳𑆤𑆴
𑆩𑆨𑆑𑇀𑆑𑆪𑆱𑆱𑇀𑆠𑆽 𑇆 𑆑𑆱𑇀𑆩𑆑𑆬𑆼𑆨𑆝𑆂𑆑𑆰𑆪𑆑𑆬𑆴𑆕
𑆬𑆈𑆑𑆫𑆩𑆁 𑇆 𑆥𑆴𑆮𑆼𑆰𑆁𑆮𑆴𑆱𑇀𑆠𑆸𑆈𑆝𑆮𑆩𑆳𑆬𑇀𑆬𑆮𑆴𑆬𑇀𑆬𑆼𑆬𑇀𑆬
𑆫𑆳𑆬𑆬𑆨𑆳 𑇆 𑆥𑆷𑆫𑆲𑆸𑆜𑆑𑆫𑆨𑆥𑆴𑆩𑆑𑆮𑆴𑆝𑆑𑆳𑆬𑇀𑆬
𑆝𑆪 𑇆 𑆪𑆱𑆟𑇀𑆜𑆶𑆮𑆳𑆟𑆵𑆨𑆳𑆥𑆑𑆨𑆬𑆝𑆨𑆶𑆬𑆳𑆩𑆤
𑆨𑆳 𑇆 𑆥𑆱𑆛𑇀𑆛𑆨𑆲𑇀𑆫𑆵𑆱𑆥𑆳𑆫𑆴𑆩𑆪𑆨𑆴𑆮𑆳𑆲𑇀𑆤𑆶𑆩𑆤𑆨 𑇆
𑆲𑇀𑆤𑆳𑆝𑆨𑆶𑆥𑆴𑆬𑆁𑆜𑆮𑆤𑆑𑆬𑆝𑆁𑆨𑆤𑆬𑇀𑆬𑆝𑆝𑆴 𑇆 𑆨𑆮𑆴

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

53

मे॰ ३३

कोपेसिन्धमठगमलिमंल्लीगयलिड || स्कुलस
मकुलंमयाकमलेमंमसिडि || गाड्मेभाद्रवं
दूडिलदरिमदेबमभावः || सिवभस्कुस्कुयं
कपयध्याडिडपुस्कुरूपरः || तृतीयंठमंपू
डिरुलवलठमड्डय || ममीगीमहूगेभडव
दमंमेगुिकउतुकमा || स्मालकेमेपपूराडि
मालभरूडमिडे || मिरीषठगाड्दमलिवक

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑇄 𑆉𑆩𑆝𑆠𑆼𑇆 𑆲𑆷𑆩𑆁 𑆝𑆕𑇀𑆔𑆵 𑆩𑆞𑆼𑆥𑆬𑇀𑆮𑆓𑆴𑆮𑆮𑆳𑆓𑆼𑆝𑆮𑆴𑆰
𑆪𑆼𑇆 𑆬𑇀𑆓𑆝𑆷𑆝𑆶𑆁𑆩 𑆩𑇀𑆨𑇀𑆬𑇀𑆬𑆪𑆝𑆴𑆑𑆤𑆟𑇀𑆑𑆩𑆴𑆩𑆤𑆟𑇀𑇆𑇅
𑆟𑇀𑇆 𑆩𑆩𑆓𑆵𑆝𑆂 𑆥𑆝𑇀𑆲𑆷𑆁 𑆩𑆬𑆴𑆩𑆕𑇀𑆓𑆶𑆓𑆝𑆩𑆩𑇀𑆧𑆶𑆩𑆬𑆴𑇆 𑆗
𑆪𑆩𑆤𑇀𑆠𑆶𑆝𑇀𑆩𑆶𑆩𑇀𑆫𑆴𑆩𑆴𑆝𑆳𑆑𑆴𑆓𑆴𑆬𑇀𑆬𑆩𑇀𑆤𑆷𑆬𑆴𑆩𑆩𑆤𑆬𑆳𑇆 𑆩𑆤
𑆝𑆴𑆢𑇀𑆮𑆝𑆶𑆕𑇀𑆑𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆥𑆷𑆝𑆴𑆞𑆬𑆴𑆝𑆩𑆩𑆷𑆠𑇀𑆫𑆶𑆮𑆴𑆑𑆩𑆁𑇆 𑆮𑆴𑆫𑆝𑆑𑇀𑆑𑆁
𑆩𑇀𑆤𑆶𑆬𑇀𑆫𑆴𑆬𑇀𑆬𑆲𑆩𑆤𑆪𑆥𑆑𑇀𑆑𑆴𑆤𑆝𑆩𑆴𑆮𑇆 𑇖𑇐𑇆 𑆑𑆬𑆑𑇀𑆑𑆂
𑆑𑆩𑇀𑆧𑆶𑆫𑆵𑆓𑆬𑇀𑆬𑆴𑆮𑆴𑆑𑆳𑆓𑆴𑆨𑇀𑆫𑆶𑆁𑆬𑇀𑆬𑆩𑆪𑇅 𑆑𑆬𑆑𑆴𑆂𑆑

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆩𑆼𑆂 𑇓𑇒

𑆢𑇀𑆫𑆿𑆩𑇀𑆓𑆑𑆠𑆑𑆳𑆕𑇀𑆓𑆁𑆱𑆴𑆮𑆴𑆮𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆠𑆩𑇆𑆱𑆠𑆩𑆲𑇀𑆤𑆽𑆓𑆤𑆥𑆶𑆠𑆴
𑆬𑇀𑆤𑆴𑆤𑆩𑆴𑆁𑆓𑆠𑇀𑆠𑆶𑆘𑇀𑆘𑆝𑆳𑆁𑇆𑆮𑆴𑆠𑆴𑆂𑆑𑆶𑆫𑇀𑆪𑆼𑆑𑆶𑆫𑇀𑆪𑆼𑆤𑆴𑆮𑆴𑆫𑆶𑆥
𑆠𑆴𑆠𑆫𑆼𑆁𑆠𑆮𑆠𑆶𑆠𑆼𑇆𑆥𑆫𑆳𑆠𑆼𑆫𑆠𑆶𑆂𑆥𑆩𑆩𑆩𑆴𑆠𑆠𑆂𑆢𑇀𑆮𑆢𑇀𑆮𑆳𑆬
𑆥𑆼𑆂𑇆𑆩𑆥𑆫𑇀𑆛𑇀𑆥𑆫𑇀𑆛𑇀𑆞𑆝𑆳𑆬𑆑𑆩𑆚𑇀𑆘𑆤𑆩𑆨𑆬𑆑𑇆𑆠
𑆧𑆲𑆼𑆠𑆼𑆤𑆵𑆠𑆁𑆂𑆩𑆠𑆨𑆳𑆮𑆨𑆳𑆮𑆂𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆩𑆥𑆴𑆬𑆁𑇆𑆠
𑆮𑆢𑇀𑆮𑆥𑆼𑆠𑆩𑇀𑆨𑆴𑆠𑆴𑆑𑇀𑆰𑆴𑆫𑆳𑆬𑇀𑆤𑆴𑆩𑆩𑆸𑆑𑇀𑆰𑆴𑆫𑆨𑆳𑆂𑇆𑆑𑆬𑆕𑇀𑆑𑆶𑆮𑆼
𑆟𑆕𑇀𑆑𑆑𑆠𑆴𑆑𑆠𑆴𑆞𑆬𑇀𑆬𑆠𑇀𑆠𑆶𑆤𑆑𑆮𑆪𑆂𑇆𑆩𑆴𑆪𑆼𑆩𑆼𑆛𑆂𑆑𑆼𑆮

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆓𑆟𑆮𑆠𑆴𑆥𑆳𑆠𑆴𑆂 𑆑𑆽𑆫𑆥𑆴𑆟𑆮𑆽𑆂 𑇆 𑆃𑆢𑆱𑇀𑆪𑆼𑆮𑆁 𑆝𑆴𑆢𑇀𑆣𑆶𑆠𑆮𑆩𑆳𑆠𑆴
𑆩𑆠𑆵𑆤𑆩𑆟𑆫𑆩𑆼 𑇆 𑆠𑆶𑆩𑆫𑇀𑆲𑆶𑆩 𑆃𑆩𑆂 𑆠𑆶𑆫𑆮𑆑𑆠𑆫𑆼𑆓𑆥𑆶𑆩
𑆬𑆤𑆂 𑇆 𑆃𑆦𑆼𑆝𑆼𑆱𑇀𑆤𑆶𑆠𑆲𑆴𑆂 𑆪𑆬𑆴𑆲𑆴𑆓𑆬𑆴𑆩𑆫𑇀𑆲𑆶𑆲𑆴
𑆫𑆲𑆴𑆠𑆾 𑇆 𑆮𑆴𑆰𑆼𑆫𑇀𑆠𑆶𑆁 𑆮𑆴𑆲𑆼𑆢𑇀𑆣𑆩𑆢𑆩𑆴𑆠𑆴𑆠𑆱𑆤𑆮𑆪𑆳𑆠𑆴
𑆪𑆂 𑇆 𑆑𑆴𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶𑆛𑆁𑆠𑆩𑆷𑆢𑇀𑆮𑆴𑆤𑆪𑆤𑆩𑆩 𑆲𑇀𑆤𑆴𑆁𑆠𑆶𑆬𑆪𑆠𑆼
𑆩𑆢𑆩𑆁𑆮𑆠𑆶𑆥𑇀𑆫𑆴𑆖𑆴𑆫𑆩𑆪𑆳𑆠𑆴𑆩𑆵𑆫𑆮𑇀𑆮𑆤𑆮𑆴𑆲𑆴𑆩𑆠 𑇆 𑇆
𑆓𑆴𑆫𑆩𑆦𑆤𑆦𑆁𑆖𑆵𑆩𑆷𑆝𑆴𑆬𑆓𑆝𑆴𑆬𑆵𑆩𑆓𑆳𑆩𑆮𑆴𑆦𑆴 𑇆

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

57

श्री:
१५

डगः पह्रीपह्मडगभडसरीभह्रितनयं ॥ तरीयकपि
डूसराणिगभानिः भीभभडिभ ॥ भडभयविश्वहूभ
यभिपांवृजभडिषि ॥ भभकुउभुलभुनठगभाक्ष
गडमिडं ॥ कटफकभदः कीउमनकमखडुडि
वपः ॥ डगभृह्वमृतुंभनमिभ्यय भभभम वै
ठवट्टयठर्ङः पर्गिगडिगीषभियभभी ॥ भा
स्वर्टलहृविणिडगिभपक्षेविदगउ ॥ गउः पडिंवृ

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

हूंमिषिलयतिस्मृल्लवषष॥ मिंल्लीवेत्रेवदापित
पनुपमोवृतिका:॥ पांवूज्ञछिष्टंभयतिमं
कल्लुल्लववना॥ निवनितूंम्भेनिरवतिगुल्लनीति
निषुल॥ निरकंल्लुवेनियमपरिमिडुकनिल
ये॥ नियहनिम्रत्तुनिपिलनिगभतु:भुतिपस्तु
निरउक्कनिष्टैनिगभयभभपिभुतिमिभभनु॥॥
पूर्णीपडुलकिङ्गिवभकानीरल्लनविति:॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

५१

मे
३१

भण्भ्रउक्षुक्षेप्लल्ललवैभ्रूप्यटाय ॥ भ्रकीये
ष्ठेछि: मलिलविठिमे दिङ्कालं ॥ द्रुमीयां
छिचक्ष्मिभ्रुवल्प्यनिवमं भुडियिम ॥ १०३ ॥ ॥

इति श्रीमत्कश्मीरदेशे विरचिते ... कल
दशीममभुमा ॥ शुभं ऽस्तु सर्वजगतां ॥

ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

51

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆠𑆼 𑇆 𑆇𑆠𑇀𑆥𑆤𑇀𑆤𑆼 𑆫𑆷𑆥𑆼 𑆖 𑆮𑆴𑆮𑆴𑆑𑇀𑆠𑆁 𑆢𑆽𑆮𑆁 𑆠𑆼 𑆤 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀 𑆱𑇀𑆦𑆴𑆛𑆶 𑆨𑆮𑆠𑇀𑆪𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀 𑇆 𑇑𑇕 𑇆 𑆃𑆡
𑆮𑆽𑆮𑆁 𑆤𑆴𑆯𑇀𑆖𑆬𑆠𑇀𑆮𑆁 𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆁 𑆖 𑆩𑆤𑆶𑆱𑇀𑆩𑆼 𑆱𑆶𑆑𑆁 𑇆 𑆇𑆠𑇀𑆥𑆴𑆢𑇀𑆣𑆁 𑆨𑆮𑆼𑆠𑇀
𑆢𑆽𑆮𑆼 𑆤𑆼 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀 𑆱𑇀𑆦𑆴𑆛𑆶 𑆨𑆮𑆠𑇀𑆪𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀 𑇆 𑇑𑇖 𑇆 𑆬𑆼 𑆇𑆠𑇀𑆥𑆤𑇀𑆤𑆼 𑆢𑆴𑆥𑆶 𑆮𑆼𑆱𑆼 𑆢𑆽𑆮𑆁
𑆬𑆼 𑆩𑆤𑆶𑆱𑇀𑆩𑆼 𑇆 𑆇𑆠𑇀𑆥𑆤𑇀𑆤𑆫𑆷𑆥𑆼 𑆥𑆴𑆓𑆴𑆢𑆢𑆼 𑆘𑆼𑆤𑆠𑇀𑆮𑆁 𑆤𑆼 𑆠𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀 𑆱𑇀𑆦𑆴𑆛𑆶 𑆨𑆮𑆠𑇀
𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀 𑇆 𑇑𑇗 𑇆 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆼 𑆢𑆽𑆮𑆁 𑆱𑆤𑆴𑆤𑆴𑆑𑆶𑆠 𑆮𑆴𑆲𑆠𑆶 𑆩𑆲𑇀𑆛 𑆮𑆴𑆑𑆝𑆠𑆶 𑇆
𑆱𑆫𑇀𑆮𑆆𑆠𑆶𑆤𑆴𑆤𑆫𑆼 𑆢𑆽𑆮𑆁 𑆮𑆢𑆶𑆫𑆑 𑆥𑆴𑆓𑆴𑆢𑆮𑆤 𑇆 𑇑𑇘 𑇆 𑆱𑆶𑆱𑆫𑇀𑆮𑆢
𑆮𑆖𑆥𑆫𑇀𑆢𑆴𑆑𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆫𑆷𑆥𑆽𑆩 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆢𑆮𑆱𑆫𑇀𑆮𑆫𑆷𑆥𑆢𑆽𑆮𑆩𑆱𑇀𑆠𑆂 𑇆

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री
ती. ४३

शुद्धदेवस्त्रैनभट्टः सर्वविद्भिः स्तुः पूर्वं वेदान्तमैवकाग्नि
ता॥४३॥ [illegible]दीमिद्धमवर्ष्टेयं[illegible]मवमूढाय॥ ३
मन्त्रवल्लि[illegible]तिनद्रुमोमित्तुर्न[illegible]मि॥४॥ सुठम
मपिमवेद्यनविकंमित्तुमद्धमि॥ ठद्दुमि[illegible]
येद्दद्विधमूनविमूढे॥४०॥ यम[illegible]य[illegible]पिपत्रंस
नद्वामपवढमा॥ मापिनःक्वद्विपःपऊलठत्त
यद्धमीमदसमा॥४४॥ [illegible]मिमंठ[illegible]मक्कूमंन

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆑𑆫𑇀𑆟𑆨𑆷𑆩𑆴 ॥ 𑇓𑇓 ॥ [illegible] 𑆑𑆵𑆠𑇀𑆫𑆴𑆁 [illegible] 𑆥 𑆥 𑆩 𑆮 𑆨𑆷𑆩𑆴
𑇓𑇓 ॥ 𑆱𑆑𑆵𑆠𑇀𑆫𑆴𑆁 [illegible] 𑆥𑆴 [illegible] 𑆤𑆴𑆑 [illegible] ॥ 𑆩
[illegible] 𑆮𑆴 [illegible] 𑆑𑆵𑆠𑇀𑆫𑆴 [illegible] ॥ 𑇓𑇔 ॥ [illegible]
[illegible] 𑆥 [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] 𑆨𑆷𑆩𑆴𑆬 [illegible] ॥ 𑇓𑇕 ॥ [illegible]
[illegible] ॥ 𑆤𑆴 [illegible]
𑆑𑆴 [illegible] ॥ 𑇓𑇖 ॥ [illegible] 𑆨𑆷𑆩𑆴 [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

56

कमिता

[illegible] ॥ २० ॥ [illegible]
[illegible] ॥ २१ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ २२ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
॥ २३ ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ २४ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆨𑆷𑆩𑆴𑇆𑇕𑇓𑇆𑆃𑆫𑇀𑆘𑆶𑆤𑆇𑆮𑆳𑆖𑇆𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆥𑇀𑆫𑆘𑇀𑆚𑆱𑇀𑆪𑆑𑆳𑆨𑆳𑆰𑆳
𑆱𑆩𑆳𑆣𑆴𑆱𑇀𑆡𑆱𑇀𑆪𑆑𑆼𑆯𑆮𑇆𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆣𑆵𑆂𑆑𑆴𑆁𑆥𑇀𑆫𑆨𑆳𑆰𑆼𑆠𑆑𑆴𑆩𑆳𑆱𑆵
𑆠𑆮𑇀𑆫𑆘𑆼𑆠𑆑𑆴𑆩𑇀𑇆𑇕𑇔𑇆𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖𑇆𑆥𑇀𑆫𑆘𑆲𑆳
𑆠𑆴𑆪𑆢𑆳𑆑𑆳𑆩𑆳𑆤𑇀𑆱𑆫𑇀𑆮𑆳𑆤𑇀𑆥𑆳𑆫𑇀𑆡𑆩𑆤𑆾𑆓𑆠𑆳𑆤𑇀𑇆𑆄𑆠𑇀𑆩𑆤𑇀𑆪𑆼𑆮𑆳𑆠𑇀𑆩𑆤𑆳
𑆠𑆶𑆰𑇀𑆛𑆂𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆥𑇀𑆫𑆘𑇀𑆚𑆱𑇀𑆠𑆢𑆾𑆖𑇀𑆪𑆠𑆼𑇆𑇕𑇕𑇆𑆢𑆶𑆂𑆒𑆼𑆰𑇀𑆮𑆤𑆶𑆢𑇀𑆮𑆴𑆓𑇀𑆤
𑆩𑆤𑆳𑆂𑆱𑆶𑆒𑆼𑆰𑆶𑆮𑆴𑆓𑆠𑆱𑇀𑆥𑆸𑆲𑆂𑇆𑆮𑆵𑆠𑆫𑆳𑆓𑆨𑆪𑆑𑇀𑆫𑆾𑆣𑆂
𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆣𑆵𑆫𑇀𑆩𑆶𑆤𑆴𑆫𑆶𑆖𑇀𑆪𑆠𑆼𑇆𑇕𑇖𑇆𑆪𑆂𑆱𑆫𑇀𑆮𑆠𑇀𑆫𑆳𑆤𑆨𑆴𑆱𑇀𑆤𑆼𑆲𑆱𑇀𑆠

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

गस्कायते नमः ॥ [illegible] पिण्ड [illegible] हूं यय

म ॥ [illegible] प्रिय [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

॥ [illegible] गि [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

62

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

68

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

77

मित्रं वत्स मन्यसे ॥ ३ ॥ [illegible]
[illegible] स्वकमेव यः ॥
[illegible]
[illegible] स्वकमेव [illegible] ॥ ४ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

82

𑇄 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑇆 𑇄 𑆤𑆩𑆾𑆤𑆳𑆫𑆳𑆪𑆟𑆳𑆪 𑇅
𑇄 𑆯𑆶𑆑𑇀𑆬𑆳𑆩𑇀𑆧𑆫𑆣𑆫𑆁 𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆁 𑆯𑆯𑆴𑆮𑆫𑇀𑆟𑆁 𑆖𑆠𑆶𑆫𑇀𑆨𑆶𑆘𑆁 𑇅 𑆥𑇀𑆫𑆱𑆤𑇀𑆤
𑆮𑆢𑆤𑆁 𑆣𑇀𑆪𑆳𑆪𑆼𑆠𑇀𑆱𑆫𑇀𑆮𑆮𑆴𑆔𑇀𑆤𑆾𑆥𑆯𑆳𑆤𑇀𑆠𑆪𑆼 𑇄 𑆯𑆶𑆑𑇀𑆬𑆼 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
वि॰ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

गामप्रदुरादितः स्वयंभूः अचमक्तिमानौ अत्रश्च
मिकिंस्वामिद्विगुभाभप्रवाज्ञुकः उपस्थानिक
सूद्भेगाटिलैप्रलिप्रमः किंवागप्रमिढवेमप
ंकिंद्रुफलंदिमि सचगृहूथियाकेसि उद्भूकष
यभूद्र श्रीठगवाग्वस्र वेदंकमृपिकषितंगे
वि. म. ७ पत्नीयामिढंमम किंद्रवद्दमिठ्ठफद्भद्वेठज्ञामि
मयंमम

𑆑𑆴𑆪𑆳𑆩𑆴𑆯 𑆱𑆫𑆱𑆶𑆠𑆶𑆪𑆓𑆳𑆝𑆴𑆮𑆴𑆮𑆴𑆯𑆶𑆢𑆶𑆱𑆟𑆾𑆥𑆴
𑆬𑆳𑆂 𑆪𑆳𑆤𑆴𑆠𑆴𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆱𑆼𑆮𑆽𑆑𑆁𑆑𑆤𑆢 𑆱𑆮𑆼𑆱𑆫𑇀𑆮𑆱𑆳𑆫𑆩𑆳
𑆣𑆪𑆳𑆠𑆴𑆥𑆫𑆩𑆳𑆱𑆶𑆢𑆶𑆱𑆼𑆘𑆴𑆑𑆱𑆰𑇀𑆟𑆴𑆑𑆵𑆥𑆫𑆩𑆳
𑆪𑆳𑆤𑆣𑆶𑆥𑆶𑆱𑆶𑆫𑆽𑆂𑆱𑆽𑆮𑆽𑆫𑆣𑆪𑆳𑆬𑆽𑆱𑆮𑆬𑆴𑆠 𑆤𑆟𑆁
𑆓𑆠𑆴𑆁𑆣𑆥𑆢𑆶𑆠𑆽𑆮𑆴𑆤𑆳𑆝𑆓𑆮𑆟𑆫𑆓𑆤𑆳 𑆱𑆢𑆳𑆥𑆳𑆝
𑆥𑆴𑆱𑆁𑆩𑆶𑆟𑆮𑆳𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆮𑆥𑆴𑆱𑇀𑆩𑆳𑆥𑆳𑆂 𑆮𑆽𑆝𑆂𑆱𑆫𑆳𑆬𑆽𑆂

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

88

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

89

तडं भवेपिण्डिकः मृत्युहः भडडं विष्णुविभ
त्युहेनस्तुमितं। भवेद्विविठिनिर्षणः भृगेडयेगेवकिं
करः किंतुवृक्षमिठिढवैः पुरान्दपुर्निवं दमः
निठयं विष्णुनाप्रैवयषंधुपुष्टभगाडना। गलतु
माङ्गनः पुएं भमृगारठिडेजपिः मयामद्भुम
वि॰ मं॰ ठिमृधुंवक्तुडान्दकडङ्गन डडः भाकल्लगात्र

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री[illegible]कवचम् [illegible]
[illegible]
[illegible] श्रीमद्[illegible]कवचम् [illegible]
[illegible] द्वितीय[illegible]
[illegible] श्री[illegible]कवचम् [illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆃𑆮𑆫𑇀𑆟𑆁 𑆨𑆢𑇀𑆫𑆩𑆵𑆯𑇀𑆮𑆫𑆼 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆢𑇀𑆨𑆽𑆫𑆮𑆠𑆠𑇀𑆮 𑆩𑆳𑆪𑆳𑆩
𑆣𑇀𑆫𑆶𑆮𑆪𑆳𑆠𑇀𑆥𑇀𑆫𑆱𑆶𑆮𑆴𑆯𑇀𑆬𑆼𑆰𑆓𑆳𑆮𑆠𑆂 𑆯𑆴𑆮 𑆤𑆪𑆁 𑆨𑆢𑇀𑆫𑆱𑆷𑆠𑇀𑆫
𑆣𑇀𑆫𑆶𑆨𑆴𑆤𑆳𑆥𑇀𑆠𑆼𑆬𑆼𑆫𑆶𑆨𑆑𑇀𑆠𑆴𑆫𑆩𑆳𑇅 𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆶𑆰𑇀𑆥𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆳𑆮
𑆢𑇀𑆮𑆼𑆮𑆴𑆯𑇀𑆬𑆼𑆰𑆩𑆨𑆢𑇀𑆫𑆨𑆷𑆰𑆶 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆢𑇀𑆨𑆽𑆫𑆮𑆉𑆰𑆴𑆂 𑆃
𑆤𑆶𑆰𑇀𑆛𑆶𑆥𑇀𑆗𑆤𑇀𑆢𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆠𑇀𑆥𑆫𑆩𑆳𑆠𑇀𑆩𑆨𑆽𑆫𑆮 𑆣𑆷𑆬𑆮𑆽
𑆮𑆴·𑆨· 𑇑 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆧𑆵𑆘𑆁 𑆱𑆿𑆂 𑆯𑆑𑇀𑆠𑆴𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆢𑇀𑆨𑆽𑆫𑆮𑆥𑆵𑆜𑆁 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆮𑆴

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆲𑆷𑆁𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible] 𑆲𑆷𑆁𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible] 𑆲𑆷𑆁𑆤𑆩𑆂 [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वि॰ मा॰
7

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

96

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

97

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वि॰भा॰
3

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

परार्द्धः। परोङ्मयः परंज्योतिः परंब्रह्म परंधाम।
परः शिवः परोदयः परंज्ञानं परागतिः परमार्थः।
परंसूर्यः परमाढ्यः परोढयः। परोहज्ञद्वंहे
मयः परर्द्धिः परमेश्वरः निरामयो निर्विकारो निर्वि
कल्पो निराश्रयः। निरञ्जनो निरालम्बो निर्लेपो नि
रवग्रहः। निस्तुलो निष्कलोऽनन्तोऽक्षयोऽमितोऽमलेश्व

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ॐ, पृथ्वीह्रियै श्रियै पुष्ट्यै कीर्त्यै मेधायै दृष्ट्यै रुच्यै: भ
वल्लः, भवगः, भवः, भवस्तः, भवष्ठवनः, भव
मभु, भवभाक्षीपदः, भवभृ, भवरुकौ, भ
वमक्तिः, भवभागः, भवानुष्कृ, भवद्विभूपः, भव
वभः, भवकृपः, भवाप्तिः, भवकृपाप्तः, भवाङ्गः,
भवैककृत्, भवकामकालं, भवातिमाय

वि
3

वि॰भ॰
७

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

100

कः सर्वात्मकः सर्वेश्वरेश्वरः । यस्मिन्सर्वमिदं विश्वं
स्वगृहे सन्ततिः ।। निरीहो निर्गुणो निरवद्यो निरञ्जनः
सनातनः । सर्वधात्रीदिगपतिः कैवल्यपदिगः
तः । लक्षसम्भूतलगडीतः कलातीतो निष्कलात्मिनः
प्रभुः सत्यः सुसूक्ष्मः सूक्ष्मो निरूपो निर्मलमयः । योगि
प्रियो योगसंयोज्यो करकर्मसमकः । धर्मार्थकामः

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

पुरुह्रिउरः पनषेन्द्रमः । वेदान्तवेद्येन ह्रूयः । उ
पश्यविविलितः । वृक्षविहृतमपिन्नघ्रुः श्रुधकमः ।
श्रयेधृतः । मचिपय । उत्तमीरः । धूलवः ॥ १० ॥
मवतः भमः । मवानवहेन्दुघूप । मुगीयः । उमभः
पद्रः । क्रूटमुमृवमेक्षिध्रुव । म्रेनेगमरापठिगः ।
वि॰भ॰ १० मक्कृशः । मवजनः । कलः । मवठयक्रः । सुत्र

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ष्टः महागात्रिमजनन्देवराभटः । प्रलम्बरू
त्रिगन्तः पूद्धेविश्वमेजनः । महामायैविश्व
गीऌपरमक्तिः भापिकक्तः । महाकर्ष्टेनुत्तली
लः महाकूठवमरुकः ॥ वनिरुद्धः महाल्लीवे
हृषीकेशेभवभटिः । विरूपाणिपूर्येदेभक
गः महानियैएकः । वृकपलस्वगः महाकू

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

१०३

हृषीकनायकः। दैत्यघ्नः धनदिग्भूर्भीधनधीः।
विश्वभुग्ग्रहणः। सत्त्वदर्भीशिण भर्तुः षाड्गुणि
गुणेश्वरः। योगिगम्यः परमानन्दः सर्वमायी।
श्रियःपतिः। श्रीभक्तिप्रभुः प्रसन्नो तुष्टः श्री
त्रिकीडनः। निर्विकल्पभूलभूश्रीः श्रीनिधिः।
श्रीणैवदृशिः। वशश्रीत्रिस्थलश्रीदेविष्णुः श्री

वि॰ भा॰
१००

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

104

गन्त्रिमश्रितः, किं भुक्तेन्द्र भिक्षेर श्रीकृष्ण वे, नमो
स्त्रिद, श्रीवज्रक, निश्रीमकलू नमो
कलाकं, पीतभृगे, नमो गत्र षि, नमो गङ्गड, नमो
ह्निड, नमो गद्वज्रू, नमो गङ्क्षू, नमो गडूड, नमो गात्रि
णि:, नमो गास्फकभ्रूगड्डी दिन्नंवासी, नमो गमयः,
भवास्त्रत्समयः भवभिक्षुजः भववीर नमो।

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

105

सर्वार्थेष्वेवेशैर्ब्रह्मादिरुद्रादिस्तुतिपठनः । सर्वैःपि
तृप्तैर्बुद्धिप्रदः सर्वस्तूर्णीश्वरः । सर्वस्यैवाश्रयः ।
सर्वस्यैवप्रवृत्तिरुत्तमः । सर्वस्यैकमङ्गलं । सर्व
स्यैकस्यैवतन्मा । यस्मात्तु गुप्तकलस्य यस्मिन्नेव
स्फुरणः । यस्य तत्तु यस्य प्रभा तु नमलीक्रिय
प्रियः ॥ १० ॥ त्रिलोकभानस्यैव विधृतलस्यैवस्तु

वि॰भ॰
०३

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

विष्णुपादभूतस्तुपः संभोगेन तवत्रु ॰ याभं ज्ञिव मिश्रि
तन्त्रिकहुं याममतु शिद्दिव ऋपण तवत्रि यास्यप्रिं
गाङ्कं ममतिं विष्णुपादभूतस्तुपः संभोगेन तवत्रु या
भं त्रस्वमत्र ल्लै या द्विभवृ भट्ट रुद्र स्वव पमृज्ञ
नरभा यास्यप्रिंगाङ्कं ममतिं विष्णुपादभूतस्तुपः
संभोगेन तवत्रु मिश्रिमभा मकुधाप मृत्तुपः मिवय
त्रैव पमम मत ह्वम्म भदृष्टृत्स्मृमैयया यापक।

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

108

𑆉𑆝𑆩𑆳 𑆥𑆢𑇀𑆫𑆠𑇀𑆠𑆶𑆩𑆳𑆱𑆡𑆱𑇀𑆮𑆶𑆱𑆓𑆽𑆮𑆳𑆢𑆟𑆢𑆟 𑆱𑇀𑆮
𑆱𑆽𑆪𑆩𑆱𑇀𑆮𑆥𑆑𑇀𑆠𑆵𑆰𑆩𑆮𑆱𑇀𑆩𑆹𑆫𑇀𑆮𑆑𑆴𑆬𑇀𑆪𑆴𑆥𑆢𑆳 𑆪
𑆑𑆁𑆓𑆶𑆱𑇀𑆢𑇀𑆫𑆶𑆥𑆶𑆂𑆥𑆳𑆥𑆩𑆛𑆴𑆯𑆳𑆓𑆳𑆩𑆩𑆮𑆱𑇀𑆩𑆱𑇀𑆩𑆢𑆱𑇀𑆩𑆷
𑆱𑆹𑆟𑆩𑆂𑆥𑆶𑆩𑆢𑇀𑆫𑆠𑇀𑆠𑆶 𑆱𑆥𑆴𑆢𑆷𑆑𑇀𑆬𑆾𑆱𑇀𑆮𑆑𑆴𑆥𑆢𑇀𑆫𑆴𑆑𑇀𑆬𑆾
𑆪𑆱𑇀𑆮𑆱𑆶𑆮𑆳𑆯𑆴𑆟𑆂 𑆩𑆓𑆜𑆽𑆫𑆩𑆳𑆥𑆳𑆑𑆓𑆢𑆷𑆴𑆱𑇀𑆠𑆶𑇅
𑆓𑇀𑆫𑆁𑆥𑆴𑆠𑆳𑆴𑆩𑆱𑆢𑆳 𑆱𑆶𑆥𑆱𑆴𑆱𑆽𑆩𑇀𑆪𑆩𑆱𑆳𑆫𑆂𑆯𑇀𑆫𑆂

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

109

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्रीमातृसिद्धभैरवः ह्रीं क्रः ह्रीं क्रूवः ह्रीं श्रूः
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆲𑆡𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆓𑆠𑆳 𑆥𑆠𑇀𑆫𑆼𑆨𑆩𑆱𑆫𑆦𑆂𑆱𑆠𑆁𑆑𑇀𑆬𑆵𑆁𑆮𑆴𑆨𑆩𑆫
𑆦𑆂𑆱𑆠𑆨𑆳𑇆 𑆦𑆁𑆨𑆂𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆴𑆡𑇀𑆮𑆤𑆫𑆠𑇀𑆠𑆮𑆴𑆦𑆨
𑆲𑆶𑆠𑆮𑆼𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆴𑆡𑆦𑆠𑇀𑆫𑆴𑆮𑆴𑆑𑆶𑆀𑆨𑆠𑆳𑇆 𑆲𑆡𑆢𑇀𑆮
𑆫𑆨𑆦𑆶𑆠𑆃𑆢𑇀𑆫𑆶𑆨𑆨𑆦𑆑𑇀𑆫𑆶𑆓𑆿𑆁𑆫𑆜𑆠𑆫𑆜𑆱𑇀𑆮𑆳𑆑𑇀𑆬𑆴
𑆫𑆜𑆠𑆨𑆳𑇆 𑆲𑆽𑆮𑆴𑆑𑆶𑆢𑇀𑆣𑆶𑆦 𑆑𑇀𑆰𑆴𑆮𑆠𑇀𑆠𑆶𑆃𑆨𑇀𑆫𑆷𑆁𑆩𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫
𑆡𑆢𑇀𑆣𑆜𑆦𑇀𑆫𑆑𑇀𑆬𑆶𑆥𑆠𑆱𑇀𑆮𑆮𑆴𑆑𑇀𑆫𑆶𑆠𑆨𑆳𑇆 𑆮𑆠𑇀𑆠𑆱𑇀𑆬𑆠𑆶

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

113

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri.

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

मं
३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] ||

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆃𑆁 𑇗

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

मू॰

यत्ति स्त्ररक्तमंमेत्रिधांमेत्रिरकं ओं नमः शि
वमकल्मषम् ॰ येनकर्पूरधवलमशीधि
यल्लिखत्रिविधंयेधणीः यः प्रचंडकम
तुःखरं ओं नमः ३ यस्तुस्तनमस्तमेघ
त्रिसूयक्लितित्रिकुभटंखरम यभूदवटतंकि
ष्टनकमत्रियद ओं नमः ३ येनसंक्रतंतु

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

120

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

121

ॐ [illegible] १

[illegible]।

[illegible]ः [illegible]ः [illegible]

[illegible]ः [illegible]

[illegible]म् [illegible]

[illegible]ः [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ॐ ऐं ह्रीं श्रूः अद्वैं शिवपश्चिमनभयवाङ्गुयङ्
क्ल्रा व स्मि ष्मृङ्म भाद्रिंभी अदाय वि हृदय
वैन्यैं नमः स्वाङ्गौ उद्गाश्चि भभिरसि ज्यवा स
यैः ह्रवः हृदय भूः भिरसि क्रवङ्गुप्लू हुं नमः
यैक्ष्वः उल्लसीङ्कुं नमः यैभ्रः भप्रभा हुं नमः
यैभद्रः स्वस्तिभिक हुं नमः यैशानः कविग्नु

123

𑆩𑆁 𑇐𑇓

𑆑 𑆲𑆷𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆰𑇀𑆜𑆿 𑆥𑆂 𑆃𑆲𑆁 𑆑𑆳𑆫𑆟𑆬𑆑𑇀𑆰𑆪𑆥𑆣𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆲𑆷𑆁 𑆤
𑆩𑆂 𑆱𑇀𑆫𑆴𑆁 𑆫𑆷𑆥𑆩𑆣𑇀𑆪𑆼𑆂 𑆰𑇀𑆜𑇀𑆫𑆴𑆩𑆂 𑆑𑇀𑆫𑆽𑆂 𑆩𑆂 𑆠𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆶𑆩
𑆢𑆂 𑆤𑆑𑆾𑆯𑆳𑆤𑆂 𑆲𑇀𑆫𑆶 𑆯𑇀𑆫𑆴𑆟𑆥𑆂 𑆑𑆾𑆁 𑆃𑆲𑆁 𑆯𑇀𑆫𑆴𑆓𑆴
𑆰𑇀𑆜𑇀𑆫𑆴𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆶𑆩𑆪𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆑𑇀𑆫𑆮𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆴𑆫𑆾𑆥𑆳𑆢𑆥𑇀𑆫𑆳𑆂
𑆯𑇀𑆫𑆴𑆥𑆿𑆩𑆪𑆬𑆨𑆢𑆂 𑆑𑆮𑆩𑆳𑆪𑆑𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆯𑆳𑆤𑆂 𑆤𑆑𑇀𑆫
𑆲𑆷𑆁 𑆮𑆿𑆪𑆬𑇅 𑆑𑇀𑆫𑆥𑆂 𑆃𑆲𑆁 𑆥𑆯𑇀𑆫𑆳𑆪𑆲𑆬𑇅 𑆰𑇀𑆜𑇀𑆫𑆴𑆟𑇀𑆫𑆳𑇅 𑆮𑆴

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

124

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

126

मृष्ट्य नमः सिविदुड्डाय नमः उविश्रीकृय
नमः वज्रिभागाय नमः शङ्भिभागाय नमः सि
मद्गुम्रागाय नमः योपंज्रभागाय नमः कथ
म्रुगाय नमः सोम्ब्रूरभागाय नमः मिहूपा
कक्रुलयै नमः वसकृष्टाय नमः भूश्रभगस
य नमः शीगृत्रिकाय नमः भभम्रागभागाय

अं ०५ नमः भगवत्पितामहाय नमः शिविलभ्राय
नमः त्रिपुरान्तकाय नमः ॐ भैरवाय नमः ॐ क्रौं
[illegible]य नमः रः वज्रकायाय नमः [illegible]
नमः ॐ [illegible] नमः [illegible] नमः
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible] गायत्री छन्दः [illegible]
[illegible] विनियोगः +

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

128

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

129

अं॰ ०५ श्रियं तु भद्रं मे ॰ गायत्री रुद्र त्रि कि ल्विषभा

स्वरहिः स्नानमङ्गं मयोर्निकृत्स्नेषथ दृष्ट्वा लिङ्गं

निःदा ॰ कें सेव मधोभकृष्टकीर्तिः सेव

गान्तु विवोर्गाङ्कं विहुगात भिद्य [illegible] अनभभउ

ः भे सेवयस्तुं भवदवाकेभ्यस्वदवत्तेराः नभः

भ सृ मिमेयास्तु सेवकेतृ भृं धृत्तिवत्तुरूहस्तु

५

130

वैतमे नमो वास्तुराय नमो ज्ञलिङ्गाय नमो वास्तु

राय नमः ध्रुवीसू नमो वास्तुराय नमो उज्जीज

नमो वास्तुराय नमो ऊर्ध्वाय नमो उग्राय नमो वृक्ष

ल नमो स्वभूताये नमः पृथिव्यै नमः उव

वीरुः नमो वरुण नमो वायुभूतये नमो विष्णु

व वरुडीरु नमि ॐ हेतुभाभिवसवडायं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

131

𑆩𑆁 ९

𑆩𑆴𑆯𑆶𑆑𑆁 𑆩𑆥𑆶𑆰𑇀𑆥𑆁 𑆩𑆾𑆬𑆑𑆶𑆑𑆩𑆳𑆥𑇀𑆫𑆾𑆠𑆴 𑆥𑆳𑆁𑆧𑆴𑆑𑇀𑆫
𑆑𑇀𑆰𑆥𑆶𑆪𑆩𑆟𑆵𑆠𑆴 (𑆩𑆖𑇀𑆗𑆯𑇀𑆫𑆫𑆧𑆑𑇀𑆱𑆼𑆢𑇀𑆫𑆼) 𑆱𑆴𑆫𑆑𑇀𑆫𑆑𑇀𑆰𑆶
𑆠𑆁 𑆧𑆴𑆯𑇀𑆬𑆑𑇀𑆰𑆥𑆶𑆠𑆁 𑆩𑆑𑇀𑆤𑆂 𑆥𑆯𑆶𑆥𑆠𑆴𑆂 𑆑𑇀𑆱𑆫𑆂 𑆱𑇀𑆑𑆶𑆤𑇀𑆢𑆁।
𑆯𑆴𑆑𑆳𑆑𑆂 𑆣𑇀𑆮𑆘𑆂 𑆣𑆾𑆑𑆫𑆂 𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆑𑆂 𑆓𑆳𑆤𑇀𑆢𑆮𑆂 𑆇
𑆲𑆩𑆑𑆂 𑆯𑆁𑆑𑆶𑆫𑆂 𑆩𑆳𑆫𑆝𑆮𑆂 𑆱𑆶𑆩𑆶𑆩𑆳𑆂 𑆑𑆁
𑆧𑆂 𑆤𑆓𑆂 𑆩𑆴𑆑𑇀𑆫𑆂 𑆥𑆫𑆠𑆂 𑆩𑆤𑇀𑆩𑆢𑆂 𑆪𑆑𑇀𑆰𑆂 𑆫𑆑𑇀𑆠

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ञिधिसामासः कृत्तत्रिपमधः उपधवयः स्नुः म

धुः पपाः सा भूकः विसृपवः सालवरः विर

वरः फपपवस्नुः कृतगभमतुविवः भविष्

दः यभः वभरगाः भतुः श्वतुकः वैवधुः

कलः अवधू ददाः त्रस्नुधवः नीलः स्नुघः

पवभिक्षुवकैस्नः क्षितुः क्षितगुरुः कलैप

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

134

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆃𑆩𑆶𑆢𑆵𑆩𑆲𑆴 𑆠𑆤𑇀𑆤 [illegible]

[illegible]

𑆬𑆂 𑆃𑆓𑆾𑆫𑆼𑆩𑇀𑆪𑆂 [illegible] ३ 𑆃𑆡 𑆃𑆓𑆾𑆫𑆼𑆩𑇀𑆪𑆂 ३

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆩𑆁 ०३ 𑆮𑆲𑇀𑆤𑆴𑆯𑆒𑆂 𑆯𑆶𑆑𑇀𑆭𑆴𑆤𑆂 𑆑𑆳𑆩𑆢𑆂 𑆫𑆶𑆢𑇀𑆫𑆂 𑆱𑆶𑆥𑇀𑆫𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆂
𑆨𑆷𑆠𑆨𑆂 𑆱𑆶𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆢𑆵𑆥𑇀𑆠𑆴𑆥𑆳𑆥𑆴𑆟𑇀𑆣𑆂 𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆵𑆫𑆤𑆂 𑆨
𑆮𑆤𑆂 𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆶𑆨𑇀𑆫𑆥𑇀𑆫𑆨𑆂 𑆥𑆴𑆟𑇀𑆣𑆂 𑆩𑆼𑆩𑆿𑆤𑆂 𑆱𑆶
𑆩𑆁 𑆒𑆳𑆥𑆳𑆥𑆑𑆳𑆫𑆑𑆳𑆤𑆂 𑆩𑆾𑆮𑆶𑆥𑆴𑆟𑇀𑆣𑆑𑆤𑆑𑆮𑆶
𑆯𑆤𑆑𑆶𑆟𑇀𑆣𑆂 𑆥𑆴𑆟𑇀𑆣𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆨𑆑𑇀𑆠𑆾𑆥𑆳𑆯𑆴𑆫𑆪𑆂 𑆤𑆩𑆂
𑆱𑆳𑆩𑆥𑆳𑆑𑆩𑆥𑆴𑆢𑆼𑆮𑆠𑆳𑆮𑆳𑆲𑇀𑆤𑆑𑆶𑆯𑆶𑆟𑇀𑆣𑆥𑆳𑆤𑇅

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

137

𑆱𑆁 𑇑𑇑

𑆱𑆱𑆱𑆶𑆩𑆳𑆤𑆶𑆥𑆴𑆱𑇀𑆠𑆶𑆂 𑆓𑆴𑆩𑆥𑆳𑆁𑆱𑆪𑆳𑆱𑇀𑆫𑆵𑆩𑆥𑆳𑆁𑆱𑆶
𑆪𑆱𑆶𑆥𑆳𑆁𑆱𑆪𑆳𑆠𑇀𑆫𑆴𑆬𑆽𑆱𑆑𑆁𑆱𑆪𑆳 𑆈𑆱𑆑𑆃𑆁
𑆱𑆪𑆳𑆓𑆴𑆥𑆁𑆈𑆫𑆱𑆳𑆈𑆈𑆃𑆱𑆷𑆫𑆮𑆩𑆤𑇀𑆠𑆪𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵
𑆓𑆪𑆤𑆩𑆂𑆮𑆱𑆽𑆱𑆷𑆤𑆩𑆂𑆱𑆳𑆫𑆽𑆤𑆩𑆂 𑆓𑆽𑆩𑆤𑇀𑆠𑆪
𑆤𑆩𑆂𑆩𑆴𑆩𑆴𑆫𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆣𑆲𑆶𑆠𑆶𑆲𑆽𑆤𑆩𑆂 𑆓𑆽𑆮
𑆱𑆫𑆱𑆶𑆰𑆳𑆪𑆫𑆳𑆓𑆳𑆓𑆳𑆬𑆷𑆮𑆑𑆴𑆤𑇀𑆫𑆳𑆂 𑆥𑆴𑆱𑆳𑆑𑆂

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

1368

प्रु ८२

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

मे ३.

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

139

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

141

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

142

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

143

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

144

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

146

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

गी॰ १५॰

ॐ इति श्रीभगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ गुणत्रयविभागयोगो नाम चतुर्दशो ऽध्यायः ॥१४॥ श्रीभगवानुवाच ॥

ऊर्ध्वमूलमधःशाखमश्वत्थं प्राहुरव्ययम् । छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तं वेद स वेदवित् ॥१॥ अधश्चोर्ध्वं प्रसृतास्तस्य शाखा गुणप्रवृद्धा विषयप्रवालाः । अधश्च मूलान्यनुसंततानि कर्मानुबन्धीनि मनुष्यलोके ॥२॥ न रूपमस्येह तथोपलभ्यते

[illegible]

147

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

149

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

151

गी॰ ३३

वेदान्तकृद्वेदविदेव चाहम् ॥१५॥ द्वाविमौ पुरुषौ लोके क्ष-
रश्चाक्षर एव च । क्षरः सर्वाणि भूतानि कूटस्थोऽक्षर उच्यते ॥१
उत्तमः पुरुषस्त्वन्यः परमात्मेत्युदाहृतः । यो लोकत्रयमावि-
श्य बिभर्त्यव्यय ईश्वरः ॥१७॥ यस्मात्क्षरमतीतोऽहमक्षरादपि
चोत्तमः । अतोऽस्मि लोके वेदे च प्रथितः पुरुषोत्तमः ॥१८॥
यो मामेवमसंमूढो जानाति पुरुषोत्तमम् । स सर्वविद्भ-
जति मां सर्वभावेन भारत ॥१९॥ इति गुह्यतमं शास्त्रमिदं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

गी. १२

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

155

गी
१५

गुलं ब्रह्मविद्भिपूलतिमअन्नवग ॥ ०७ ॥ करकाल्लकप
हेडेतुः पूलतिमस्तृते ॥ पूनषः भापस्तःपवंठेकृतवेड
तुमस्तृते ॥ ३१ ॥ पूनष ः पूनतिर्मेङिकङ्कपूलतिल नुछ
गु ॥ कृतलंगुलमक्लेमृमअप्नमकृिविलअन ॥ ४० ॥
उपस्तूपमतुमकुठज्ञमडेस्वर ः ॥ पामस्ततिस
धूर्डेमिङभिद्प्रनषः पा ः ॥ ४४ ॥ यस्ववेतुपूनषंप
लतिमतुल्लिम्नड ॥ मचषवतुमतेपिमकपठिल

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

यते ॥३३॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥३४॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥३५॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥३६॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥३७॥ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

157

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[...]प्यते ॥३३॥ यथा प्रकाशयत्येकः कृत्स्नं लोकमिमं रविः । क्षे-
त्रं क्षेत्री तथा कृत्स्नं प्रकाशयति भारत ॥३३॥ क्षेत्रक्षेत्रज्ञयो-
रेवमन्तरं ज्ञानचक्षुषा ॥ भूतप्रकृतिमोक्षं च ये विदुर्यान्ति
ते परम् ॥ इति श्रीभगवद्गीतासूपनिषत्सु ब्रह्मविद्या-
यां योगशास्त्रे श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ क्षेत्रक्षेत्रज्ञवि-
भागयोगो नाम त्रयोदशोऽध्यायः ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ १
परं भूयः प्रवक्ष्यामि ज्ञानानां ज्ञानमुत्तमम् ॥ यज्ज्ञात्वा मु-

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

160

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

161

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

163

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

165

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

170

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

विवेके

[illegible]

सर्वेन्द्रियनियामक

गी.

१८

मिच्छामि वेदितुम् । त्यागस्य च हृषीकेश पृथक् केशिनि
षूदन ॥ १ ॥ श्रीभगवानुवाच ॥ काम्यानां कर्मणां न्यासं सं
न्यासं कवयो विदुः । सर्वकर्मफलत्यागं प्राहुस्त्यागं विचक्ष
णाः ॥ २ ॥ त्याज्यं दोषवदित्येके कर्म प्राहुर्मनीषिणः ॥
यज्ञदानतपःकर्म न त्याज्यमिति चापरे ॥ ३ ॥ निश्चयं शृ
णु मे तत्र त्यागे भरतसत्तम । त्यागो हि पुरुषव्याघ्र त्रिवि
धः संप्रकीर्तितः ॥ ४ ॥ यज्ञदानतपःकर्म न त्याज्यं कार्य

[illegible]

173

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

(174)

[illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

175

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

178

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

183

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

186

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

187

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitized by eGangotri

[illegible]

[illegible]

188

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

189

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥१८॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ ॥ ॥
[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

191

𑆓𑆵° 𑇗𑇓

𑆓𑆩𑆨𑇀𑆫𑆷𑆱𑇀𑆩𑆵𑆢𑆰𑇀𑆜𑆁𑆝𑇀𑆘𑆤𑆨𑆁𑆮𑆱𑆴𑇆 𑆨𑆽𑆫𑆮𑆩𑆛 𑆨𑆪𑆴𑆤𑇀𑆨𑆼𑆤𑆳𑆩𑆳
𑆣𑆷𑆫𑆷𑆩𑆽𑆟𑇀𑆛𑆪𑆂𑇆𑇗𑇓𑇆 𑆯𑆶𑆨𑆁𑇁𑆱𑇀𑆠𑆶 𑆱𑆫𑇀𑆮𑆘𑆓𑆠𑆳𑆁𑇆

𑆯𑇀𑆫𑆵𑆓𑆟𑆼𑆯𑆳
𑆪𑆤𑆩𑆂𑇆

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

192

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

193

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

धृतेर ममस्वकौगिवरविकल्प ॥ अंमामीजोगमम्रुविम
रीमेदेषणमा ॥ कैंडकमुममंमारेविवेकेरविलीयते ॥ ५ ॥
यम्भिकेमेमरिडञ्ञेरमिमभ्रूरपदरूपः ॥ मदलःमीड
लम्बुयेरडइम्भिवमंवमेडा ॥ ६ ॥ मरुमडेछिगाडडदपद्
ध्रुपाम्भिमत्रिम ॥ यडिम्रिरकवमुपमपरेमःछवत्ति
डः ॥ ७ ॥ कुरुमपल्लडमेडिमद्रापुमडयते ॥ मुप
मंपाम्भिवछडिविद्वञ्ञुरमभगमडा ॥ ८ ॥ ह्रुपिमभपि

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

198

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ये॰
१

उत्तीर्णं ॥ ३६ ॥ न ह्यतिः न विषं न पत्तुं न ह्ट ह्द पिण्डले ॥
मः पद्यममर्गीरुं मो ह्रिमत्तु ह्टपच्छमा ॥ ३७ ॥ इति
श्रीशिवनवमित्रु मशिवैगणधूकालं पूर्वमम ॥ ० ॥
ठिमं यमम्नमः मात्रि मत्तिमंमा विहूमः ॥ मरूमेम
रूदयत्तयवक्ली मद्ल्ठव ॥ ० ॥ मित्तु मेषविमेष
हुंमंमा मूर्दयदये ॥ वमन पूल्मंशठ मनिमेषमनः
उन ॥ ४ ॥ मयं दिमविकल्पेद्रः भविकल्पपरिजपत

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

203

फ़ि· ४

किञ्चिदुक्तं भिक्षुकिं भूपि पूर्वमा || यथा गन्तुं वननां यथाव
गिमस्तु ले || ३ || यदुक्तं मस्तु किञ्चि || मह्न गम्य ...
नेमसमुवमुह्य तथा || तभभुः पूर्वविश्व तु मामीवत्तदे
भः || ७ || भवति ... मस्य ... विलीयते || तद्
... || १० || ... यथा ति
... || ... ||
यथा ति ... || ११ || भवः संपश्यते ...

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ङुः पामेशुपा ॥ संहितः संहितः कां ३ अग्ने वच गिरः
॥ ७ ॥ अशुष्ठं श्रीमित्रं सुभक्तं सप्तमि निदमः ॥ ३ नयमिद्
लस्मीह्वागाडी पूर्विडतृडे ॥ ०२ ॥ पषवलभूर्वडलीनोः
परतुमः पवः ॥ गमस्व भरकां ३ षगुरामोडलागा
॥ ०४ ॥ स्वहृद्व वभूकोनकैकनकेकटकेयष ॥ कटकेल्लु
मुरिवृम्रिनभनगापिदभडी ॥ ०५ ॥ डषल्लुस्पग्गा
नगानगम्रगोमरा ॥ ६ यंमस्मदगोवश्रिनदूटः पामङ

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

205

ये॰ १

दकं ॥ ०१ ॥ सज्ञःस्वस्थः प्रि प्रमयं सज्ञस्वरूमयं स्वगाद
सर्वं तु वरसत्तु स्वपूकमंतुभसद्गुणः ॥ ०३ ॥ यत्र विस्तु दु
स्तुकमेभदसेवं हूभल्ल लभा ॥ ऊर्द्ध विलीयते ३ द्व स्म
तीदृ पिलं स्वगाद ॥ ०७ ॥ सुस्मिस्तु हृडिकेनाम्रयेय
नठविडः ॥ सुस्मिस्तु प्रवर्तते भावि विकल्पस्वउस्तुते ॥ ४० ॥
३तुभदेठवदेवपर्येयद्विमारिडें स्वस्म ३स्मदभेवे
ठं३हुद्विबांविमारि३भा ॥ ९० ॥ विश्ववीथि विलाभेयं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ति स्थित्वा चेदन्ते तिष्ठति || विलीयते तत्रैव महेश कथय तत्त्वतः
||३३|| यथा सर्वे यतो भिन्नाः शैवी भूमिर्भवत्वतः || श्रुणुष्व
तत्त्व भिन्नं विश्वमग्रे विविक्ततमम् ||३४|| भूमिष्ठं तत्त्व-
लेशीभिः कतकेनाभिन्नं यथा || श्रुणु ग्रीष्मे तद्वि विश्वम-
ग्रे शैवलयं पुनस्तितः ||३४|| श्रुणु देवि ज्ञानं गण्डतिष्ठ ज्ञानस्य
शिवतत्त्व || ज्ञानं ज्ञानं गण्डतिष्ठ ज्ञानं शिवतत्त्व ||
||३५|| तस्मात् सर्वं तत्त्वं विश्वं शैवं भूमिं तिष्ठति || तदा

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

207

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ये ३ ति ॥ १ ॥ स्फाटिकः प्रतिबिम्बनयगबननयप्रतिग्राहक्रमम् ॥
उल्लूकः कमण्डलेन तु मुखनयाप्रतिग्राहक्रमम् ॥ ३ ॥ स्वतुष्ट
पिण्डयप्रतिपुरुजिनप्रतिपोपिमन्त्र ॥ पतिमतुउयति
ति हृंस्त्रिफलविलहृते ॥ ७ ॥ सूदेवमुदपयउस्मैतमपु
समंगाउ ॥ योगिनः कमण्डचप्रतिपस्तुति । मुखवल्लगाण्ड ॥
० ॥ सूक्ष्मैवमालंवुमुकल्पउविमयेनव ॥ उल्लूकः कलकं
सर्वोपदेमपक्रगाउयग ॥ ०० ॥ उवं हृस्व तुवकं शृंस्वप

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

210

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

2|2

ममत्रिमचकस्मात्रिमकौरेतुकौरेतुवा ॥ हस्येनमुभव
मेभत्रुस्वेतुभमयः ॥ ९ ॥ स्वरस्मर्ग्रन्थीरश्रुमत्रमे
भेजत्रुमहेत ॥ वत्रुमेहेनविस्हेतविस्मत्रुस्टमत्मगः ॥
॥ १० ॥ सस्तनभुतिडिवेणनभवमेमस्रुभन्नमा ॥ मम्पवं
मेतुमस्त्वपागिच ॥ विदृत्रिः ॥ ११ ॥ नमेदेवाहमः
पश्वेनपञ्च्लेनन्नतले ॥ मचममज्ञायेमेतःजयेमेज
डजौप्रुत ॥ १२ ॥ स्वनतेमिस्त्रानचाविचिकल्पेककापि

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

यो
००

मनमेकाग्रतं कृत्वा विशुद्धितेऽत्रतत् ॥१॥ मेतद्विद्यातं वर्ज्य मेतद्वि
धमृषः स्मृतः ॥ मनःशतं दशतं लोकेनमगीयदशतं दशमः ॥२॥
सिद्धकानां मतं सं तु सिद्धिमादिव्यातं स्वयमः ॥ तस्मिन्ह्लीलं
मह्लीलं तत्क्षितिकिं मृत्युयद्वतः ॥७॥ समवमनयनमृतंपशिव
मनंमनः ॥ तस्मात्त्रिवमनीकवमवदस्तुपूययत्तः ॥१०॥ यथ
वलापमभिनंभृतलेपंममीयथ ॥ कृषयदेवं मवतुः न
ममपिमसिक ॥१०४॥ सतत्त्वापतयमवंसिद्धिकोऽहिस्

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

गन्धै… मः ॥ [illegible] ॥१३॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥१३॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥१२॥ [illegible]

[illegible] ॥१५॥ वि

[illegible] विलयं [illegible] ॥ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

217

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

2118

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

219

दोतमेकंममचरुः ॥ शिवतत्पांवजमतं शिरमनम
यम ॥ १५ ॥ शिमदत्पूयाडसूतलपटेः शिवडमः
धेतवेत्रभवनः केवम्पुयमीयत ॥ १७ ॥ इति श्रीग
व अभिषुमरमतउंधकालमा ॥

नरमसूअविमयकेदस भितिरूपकः ॥ शितुन्द
दूमवोलचमदवमदवः सदा ॥ १८ ॥ विमरमप
लक्षंठियंठदवांगडमा ॥ सूठयेवविलमदत्रिवडा

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

स्त्रिकलङ्कमिव ॥ ३ ॥ विश्वेशेष्टस्य विष्टरं स्थानं तद्विश्वेविदः
स्थानं तत्पुरोवो भुवनं विश्वरूपपदं भयघ्न ॥ ३ ॥ विश्वेशं पा
स्थानं भवद्भवस्थं पदं तत्स्मरः ॥ सततं कस्य भवत्तीर्थं वज्रं विश्वेशमि
वस्मयः ॥ ४ ॥ किं मे त्वं विश्वरूपमिलं किं सन्तमसमितिस्थ
वंम यसस्य ॥ विश्वस्य गतिरत्र भूतस्य भवेत् स्थलं गतः ॥ ५ ॥ यस्य
भवेत्प्रत्ययं यत्र भवं च वृक्षं तत्र भवाख्यं ॥ तेषां तत्र भवेत्
स्थानं भवस्थं भवतीशं ॥ ६ ॥ यत्र भवं तत्र भवं तत्स्थितं तत्र

221

02

पिरय्यव ॥ विषंनयचतुमउउंममउंविषडंमापि ॥ १ ॥ व
ममभंपरिहृगाख्रिंतुगस्कुहमितुउंमा ॥ पूल्ममुमृगिरं
रस्रयचैस्कमिडषत्रुमु ॥ ३ ॥ मवमुक्षममस्कमूपरिठव
मिरमकिउ ॥ उम्निरैरवनुममिःपूषीमंपरांठियमा
७ ॥ मक्षरुवडगिद्विमुवठवैकवल्लानंउ ॥ मरीररमम
मिवक्षमरनपूवतुउ ॥ ८ ॥ महठवैरमचुंयैंरुहैरुहै
ठवहलमा ॥ मधुमृमहठवैरहूंमउंयडिरिदकः ॥ ९०

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

224

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

225

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

227

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

228

𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆾𑆩𑆶𑆒𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆫𑆶𑆢𑇀𑆫𑆢𑆼𑆮𑆱𑇀𑆪𑆤𑇀𑆢𑆤𑆮𑆳𑆓𑆩𑆸𑆠 𑇆𑇑𑇒𑇆 𑆪𑆢𑆼𑆮𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆁𑆪𑆢𑇀𑆫
𑆲𑆁𑆮𑆜𑇀𑆫𑆁𑆠𑆢𑇀𑆮𑆴𑆱𑇀𑆩𑆠𑆁𑆫𑆤𑇀𑆠 𑇆 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀𑆱𑇀𑆩𑆳𑆮𑆴𑆰𑇀𑆛𑆳𑆁𑆠𑆱𑇀𑆪𑆶𑆫𑆂𑆥𑆫𑆴
𑆮𑆬𑆳𑆠𑆴 𑇆𑇑𑇓𑇆 𑆩𑆛𑇀𑆑𑇀𑆰𑆴𑆁𑆪𑆢𑇀𑆫𑆁𑆮𑆜𑇀𑆫𑆁𑆠𑆢𑇀𑆮𑆴𑆱𑇀𑆩𑆠𑆁𑆫𑆤𑇀𑆠
𑆨𑆳 𑇆 𑆪𑆱𑇀𑆩𑆴𑆤𑇀𑆤𑆛𑇀𑆩𑆳𑆮𑆴𑆱𑇀𑆦𑆳𑆛𑆁𑆠𑆱𑇀𑆪𑆶𑆫𑆂𑆥𑆶𑆫𑆬𑆁𑆪𑆠 𑇆𑇑𑇔𑇆 𑇆
𑆩𑆠𑆁𑆮𑆜𑇀𑆫𑆁𑆠𑆴𑆪𑆱𑇀𑆠𑆶𑆮𑆩𑆳𑆪𑆳𑆮𑆴𑆨𑆑𑇀𑆠𑆴𑆫𑆶 𑇆 𑆑𑆴𑆫𑆶𑆮𑆱𑇀𑆥𑆶𑆫
𑆮𑆴𑆱𑇀𑆦𑆶𑆫𑆁𑆩𑆮𑆥𑆁𑆥𑆳𑆮𑆴𑆠𑇀𑆫𑆩𑇀 𑇆𑇑𑇕𑇆 𑆅𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆵𑆪𑆾𑆓𑆮𑆴𑆯𑆶
𑆩𑆾𑆮𑆱𑆶𑆩𑆴𑆑𑆶𑆥𑆬𑆁 𑇅 𑆱𑆩𑆳𑆥𑇀𑆠𑆩𑇀𑆥𑆶𑆑𑆳𑆬𑆳𑆩𑆳 𑇆

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

229

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆢𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆮𑆕𑇀𑆓𑆳𑇆𑇓𑇆𑆱𑇀𑆮𑆩𑆢𑆲𑆶𑆁𑆪𑆧𑆼𑆥𑆼𑆦𑇀𑆑𑆳𑆑𑇀𑆰𑆴𑆲𑇀𑆤𑆴𑆁𑆥𑆷𑆱𑆓𑆵𑆘𑆪𑇆𑆱𑇀𑆮
𑆑𑇀𑆰𑆵𑆑𑆾𑆠𑆴𑆱𑇀𑆑𑆷𑆱𑇀𑆑𑆷𑆲𑆶𑆁𑆠𑆧𑆼𑆯𑇀𑆫𑆵𑆮𑆢𑇀𑆢𑆩𑆵𑆱𑇀𑆫𑆳𑇆𑇔𑇆𑆱𑇀𑆮𑆩𑆲𑆱𑇀𑆮𑆮𑆩𑆑𑇀𑆑
𑆬𑇀𑆝𑆑𑆶𑆩𑆾𑆬𑆁𑆱𑆩𑆓𑆵𑆫𑆑𑆩𑇆𑆯𑇀𑆫𑆵𑆮𑆂𑆥𑆩𑆷𑆠𑇀𑆪𑆶𑆠𑇀𑆠𑇀𑆲𑆩𑆮𑆬𑆼𑆮𑆢𑆳𑆩𑆴
𑆮𑆾𑆑𑇀𑆰𑆶𑆠𑆩𑇆𑇕𑇆𑆩𑆢𑇀𑆢𑆶𑆑𑆑𑆼𑆪𑆧𑆜𑆲𑆶𑆁𑆩𑆴𑆩𑆶𑆓𑆳𑆲𑆱𑇀𑆮𑆑𑇀𑆰𑆳𑆠𑆴𑇆𑆱𑇀𑆮
𑆲𑆱𑇀𑆮𑆑𑇀𑆰𑆴𑆓𑆴𑆤𑆢𑆯𑇀𑆫𑆵𑆢𑆶𑆠𑇀𑆠𑆱𑆶𑆮𑆂𑆥𑆴𑆧𑆶𑆢𑇀𑆢𑆼𑆩𑆳𑇆𑇖𑇆𑆥𑆴𑆢𑆩𑆥𑆂𑆥
𑆠𑆴𑆭𑇀𑆭𑆾𑆠𑆼𑆪𑆩𑆥𑆜𑆪𑆼𑆫𑆪𑆧𑇆𑆯𑇀𑆫𑆵𑆮𑆩𑆥𑆂𑆥𑆴𑆫𑆴𑆭𑇀𑆭𑆾𑆠𑆧𑆳𑆫𑆩
𑆳𑆮𑆑𑆂𑆳𑆥𑆫𑆂𑇆𑇗𑇆𑆩𑆲𑇀𑆫𑆴𑆩𑆼𑆢𑆪𑆼𑆩𑆲𑆱𑆾𑆩𑆶𑆩𑆬𑆳𑆪𑆩𑆼𑆮𑆬𑆵𑆪

𑆢𑇀𑆮𑆴

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

२३३

पि
३

ते ॥ शुद्धाः प्रविशन्ति ते सर्वे शुद्धे एव विलीयते ॥ १ ॥ नैकमप्यत्र
द्वैतं यथा नैकं ते मम संस्थितं मम ॥ उपविश्य शिवे नैकोपि तत्र नैकः
सम्भवतः ॥ ३ ॥ मनोविषयवर्यद्विकारं द्वयं यथा मतः ॥ स
ते ते ततो न दृश्यते भूतानां मम ॥ ४ ॥ मलिते यथा
तत्र नैव नैकमप्यस्ति यथा ॥ तत्रैकमिव शुद्धं पितृपदं शिवं प्रवि
विष्टितः ॥ ५ ॥ प्रलिप्तमप्यत्र द्वयमलिनीकृतं ते तत्त्वतः ॥
पापमप्युत्सवमत्र विमुक्तं पूर्णतः शुद्धः ॥ ६ ॥ प्रथितमद्य

234

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

य

ये०
३०

मेवमवश्रुतः ॥ ८ ॥ स्फटिकमणिनीलसूर्यप्रभंवीज्ञतेयथा
तथभवपरमेश्वरस्मिन्रूपःपरमेश्वरः ॥ ९ ॥ यदितत्त्वःस्वरूपे
तिरश्चभवमिपवतः ॥ अथपूर्कमतृषेवैकःसुरूपमनसम्भव
स्वरूपे गिरिमेरौहेतुःपूर्कमंत्रमेतेयथा ॥ तथपूर्कमयस्तु
मंस्तम्भनीयस्वगिरिमेरौः ॥ ७ ॥ यस्मिन्नेवंविस्मृतीःपूर्तिक
मस्कपिल्ये ॥ रहस्यकृत्स्नवसुतिभूयमस्मभयस्मिन्दः ॥ ३० ॥
सुदृत्तयद्विदः मद्दःस्मिन्स्वरूपेविचिकल्पकः ॥ सुस्मतिक्रपिदा

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

33

236

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ये॰
३३

यथा वर्धः सचक्रुः उनाउसुखा ॥ सखवकनाव त्रेस्मेउत्तुमत्तृम्रि
वस्त्रिउः ॥३५॥ ऐवमिक्षुनाग्ने हि गाक्रुषल्ले ह्रोत्रिपिठ क्रो ॥ ठा
विवर्के मम्रु भैवमिक्षूी टकेज्रे ॥३६॥ नवढ्रे स्त्रिगमेदेभ्रि
वज्रेव स्त्रिपिगत्तुराभा ॥ नैकमस्त्रिनमद्दु ठंभाविज्ञ सृठगवि
सृश्वउ ॥३३॥ वृज्रामिदृज्ञ कवनं वृज्ञ क्षउपागमत्र ॥ वज्रं
डवज्ञमक्कुउ वृज्ञमामिद्रुवतुवः ॥३७॥ मिक्षुटकलन
ठतुसुमाजिमाजिनमृउ ॥ मिक्षुहृपिलमक्षेडिमचमिदु

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

238

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ञिं मं ॰
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

239

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

243

यो॰
३५

ऽइति श्रीयोगवासिष्ठे [illegible] प्रकरणं समाप्तं ॥ छ ॥

शुभमस्तु

॥ छ ॥

॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

244

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

245

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

247

दमभू॥ भु॥ श्रीपरमभट्टारकेश्वरस्कंधपिलिं रत्नमुद्रयेनमः॥ ३॥
श्रीशिवरम॥ त्रिकखमट्टारकेश्वरसिद्धकंधवसिद्धिलीयते॥ क
मभुरिमोर्धदिपथुडुमरीयम श्रीं ह्रः॥ भुदरंकेन्द्र
यट्टरमनःरुप्रमुहूर्तेनमः॥ मरमट्टवरहूर्तवसिद्धगुणमनमि
लीयते॥ श्रीशिवरम भुदरंकेनपट्ट डह्रूडपिमयट्ट
घम॥ म्हरुभुपरोकेसम्भोकेनविनहूते ॥ श्रीं ह्रः

ग्रं०

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] । [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

256

मङ्गलाङ्गदः ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ इति श्री[illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ ।

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

1260

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

देयसंज्ञपरिपृच्छामि॥ विश्वात्मन् ~ पूर्वकृत्वामि उत्तमेभिनाडिस्थ
नः॥ ऋषिर्हृद्विष्णुरुद्रेश्वरूर्ध्वं हितं वामियमदः॥ ॐकारं तु लयं यत्र
त्रिलक्षमेव ~ नमः स्वाहा॥ ॐ ... यस्य ... विष्णुः ...
नः॥ उकारं तु लयं यत्र त्रिकूटे ... ~ नमः॥ ...
... हितं ... ॥ मकारं तु लयं यत्र त्रि... ~ नमः॥
ॐकारमध्यकारं मकारं ... ॥ इत्येतत् ... ।

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

देवदः॥ ॐ ह्रीं ह्स्फ्रीं ईं श्रीं ह्स्फ्रीं ह्रः नमो॥ नमस्ते त्रिपु
रे देवि चक्रि महाराज्ञि पू॥ ॐ महाराज्ञि पीठे नव चक्रम
त्रि नमः॥ स्वेच्छा लिङ्ग मध्ये ईश्वरी संस्थिता नमः॥ ॐ ह्रीं
ह्स्फ्रीं देवि नर यन्त्र मरमयम॥ श्रीविद्ये के स्तुतिं सकल गी
कर्त्र्यम ह्रीं नमः॥ श्रीं श्रीं ऐं क्लीं सौः सर्वचक्र मण्डल नमः॥ प
त्र दलं च यत्र ह्रीं कामेश्वरि नमः॥ ॐ मण्डल मध्ये
स्फुर भवन॥ ॐ त्रिपुर सुन्दरी पादुकां पूजयामि नमः॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] विवेकिनः ॥ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆢𑆼𑆮𑆩𑆁𑆓𑆬𑆩𑆪𑆑𑆳𑆫𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆥𑆳𑆯𑆵𑆢𑆴𑆑𑆳 𑇅 𑆤𑆶𑆢𑆤𑇀𑆠𑆴𑆣𑆼𑆪𑆩𑆼𑆫𑆳
𑆪𑆪𑆼𑆓𑆳𑆩𑆱𑆢𑆾𑆫𑆵𑆪𑆼 𑇅 𑆤𑆼𑆩𑆴𑆯𑆶𑆑𑆳𑆥𑆴𑆑𑆴𑆩𑆶𑆑𑆳𑆢𑆳𑆤𑆴
𑆯𑆶𑆩𑆴 𑇅 𑆤𑆢𑆶𑆫𑆮𑆴𑆫𑆳𑆪𑆁𑆑𑆶𑆮𑆼𑆣𑆼𑆮𑆩𑆼𑆮𑆬𑆪𑆁𑆓𑆶𑆬𑆼 𑇅 𑇅 𑆢𑆶𑆢𑆼
𑆢𑆮𑆼𑆮𑆴𑆯𑇀𑆑𑆴𑆠𑆼𑆫𑆮𑆑𑆑𑆶𑆮 𑇅 𑆩𑆳𑆢𑆼𑆮𑆩𑆤𑆼𑆤𑆼𑆮𑆩𑆼𑆮𑆫𑆳
𑆪𑆓𑆶𑆬𑆳 𑇅 𑇅 𑆩𑆢𑆼𑆮𑆤𑆢𑆮𑆩𑆶𑆢𑆮𑆢𑆴𑆮𑇀𑆪𑆳𑆢𑆶𑆤𑆱𑆢𑆪𑆴 𑇅 𑆤𑆑𑆶
𑆩𑆢𑆮𑆢𑆶𑆑𑆤𑆼𑆢𑆩𑆼𑆮𑆬𑆪𑆁𑆓𑆶 𑇅 𑆤𑆩𑆱𑆢𑆩𑆱𑆳𑆠𑆶𑆑𑆶𑆩
𑆣𑆼𑆫𑆩𑆪𑆼𑆂 𑆤𑆩𑆂 𑇅 𑆤𑆩𑆱𑆳𑆮𑆴𑆢𑆤𑆢𑆼𑆮𑆼𑆩𑆼𑆮𑆬𑆪𑆁𑆓𑆶𑆬𑆳 𑇅

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

295

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ इति [illegible] प्रकरणं पंचमम् ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ओं ह्रीं [illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ओं ह्रीं [illegible] नमः ॥
[illegible] ॥ ओं ह्रीं [illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible] ॥ [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆫𑆱𑇀𑆠𑇀𑆮𑆱𑇀𑆮𑆖𑇀𑆗𑆤𑇀𑆢𑆩𑆴𑆠𑆴 𑆤𑆴𑆯𑇀𑆖𑆪𑆵 𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆘𑇀𑆚𑆳𑆤𑆳𑆢𑇀𑆨𑆮𑆱𑇀𑆪 𑆩𑆂 𑆱𑇀𑆮𑆠𑆂 𑆱𑇀𑆥𑆴
𑆫𑇀𑆨𑆳𑆮𑆳𑆠𑇀 𑇆 𑇔 𑇆 𑆤𑆴𑆫𑇀𑆮𑆴𑆑𑆫𑇀𑆥𑆳𑆠𑇀𑆱𑆫𑇀𑆮𑆑𑇀𑆫𑆩𑆂 𑆱𑇀𑆮𑆠𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆑𑆾𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶𑆠𑆴 𑇆 𑆫𑆱𑇀𑆪
𑆂 𑆱𑆮 𑆤𑆴𑆯𑇀𑆖𑆪𑆢𑇀𑆢𑆲𑆴𑆠𑆴 𑆤𑆴𑆯𑇀𑆖𑆪𑆵 𑇆 𑇕 𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆥𑆢𑆱𑇀𑆩𑆢𑆑𑆬𑆴
𑆢𑆮𑆢𑆮𑆴𑆠𑆴 𑆤𑆴𑆯𑇀𑆖𑆪𑆵 𑇆 𑆱𑆲𑆢𑆵𑆤𑆴𑆫𑇀𑆪𑆩𑆂 𑆇𑆖𑆮𑆥𑆴𑆫𑆬𑆴
𑆥𑇀𑆠𑆴 𑇆 𑇖 𑇆 𑆩𑆴𑆢𑆪𑆱𑇀𑆮𑆥𑆢𑆱𑇀𑆮𑆫𑆥𑆲𑆢𑆴𑆠𑆴 𑆤𑆴𑆯𑇀𑆖𑆪𑆵 𑇆 𑆢𑆪 𑆢𑆵𑆫𑆂
𑆱𑇀𑆠𑆵𑆩𑆢𑇀𑆢𑆂 𑆱𑆮𑆢𑇀𑆓𑆳𑆤𑆳𑆢𑇀𑆱𑆢𑆂 𑇆 𑇗 𑇆 𑆫𑆢𑆼𑆮𑆼𑆫𑆼𑆩𑆼𑆢𑆼𑆠𑆢𑆼
𑆩𑆴𑆠𑆴 𑆤𑆴𑆯𑇀𑆖𑆪𑆵 𑇆 𑆑𑆽𑆮𑆬𑇀𑆪𑆩𑆴𑆮𑆩𑆱𑇀𑆪𑆼𑆩𑆱𑇀𑆩𑆳𑆢𑆲𑆢𑆢𑆩 𑇆 𑇘 𑇆

𑆔𑆼 𑇘

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆥𑆑𑇀𑆰 𑆤𑆼 𑆤𑆩𑆴𑆑𑇀𑆯𑆴 𑆢𑆤𑆢𑆑𑇀𑆰 𑆩𑆪𑆼𑆤𑆼𑆤 𑆠𑆴𑆑𑇀𑆰𑆁 𑆤 𑆱𑇀𑆡𑆁 𑆥
𑆱𑇀𑆩𑆸𑆠 𑆢𑆤𑆩𑆼𑆪 𑆥𑆩𑆳𑆥𑆴𑆠 𑇅

𑆩𑆼 𑆪𑆡𑆳𑆨𑆳𑆮𑆴𑆠𑆩𑇅 𑇓 𑇅 𑆑𑆤𑇀𑆪𑆳𑆀 𑆩𑆸𑆓𑆯𑆴𑆫𑆾𑆢𑇀𑆮𑆪𑆀 𑆑𑆼𑆤𑆾𑆪𑆾𑆓𑆴𑆠𑆳𑆂
𑆱𑆁𑆓𑆳𑆥𑇀𑆪𑆼𑆤𑆳𑆮𑆴𑆢𑆤𑇀𑆩𑆸𑆢𑆤𑆩𑆼 𑆪𑆡𑆳𑆨𑆳𑆮𑆴𑆠𑆩𑇅 𑇒 𑇅 𑆮𑆥𑆾𑆂
𑆩𑆴𑆢𑆤𑆴𑆢𑇀𑆢𑆴𑆩𑆴𑆢𑇀𑆢𑆴𑆢𑇀𑆢𑆮𑆠𑆼𑆤 𑇅 𑆤𑆩𑆼𑆢𑇀𑆢𑆩𑆼 𑆮𑆴𑆢𑆪 𑆩𑆢
𑆢𑆩𑆼 𑆪𑆡𑆳𑆨𑆳𑆮𑆴𑆠𑆩𑇅 𑇑 𑇅 𑆩𑆥𑆴𑆢𑇀𑆢𑆴𑆥 𑆤𑆴𑆪𑆩𑆼 𑆑𑆮𑆼𑆯
𑆭𑆼𑆠𑆮𑇀𑆮𑆴𑆑𑆂 𑇅 𑆱𑆢𑇀𑆣𑆱𑇀𑆠𑆾 𑆮𑆴𑆢𑆪 𑆩𑆢𑆩𑆼 𑆪𑆡𑆳𑆨𑆳
𑆩𑆼 𑇗 𑇅 𑆢𑆢𑇀𑆣𑆮𑆼𑆢𑆾 𑆪𑆡𑆳𑆨𑆳𑆮𑆴𑆠𑆩𑆢𑆑𑆼 𑆢𑇀𑆪𑆼𑆠𑆼 𑆑𑆳
𑆩𑆩𑆂 𑇅𑇅𑇅 𑇓 𑇅 𑇅 𑇅 𑇅 𑆥𑆤𑆢 𑆱𑇀𑆠𑆸𑆠𑆴𑆥𑆴𑆢𑇀𑆪𑆂 𑆩𑆩𑆳𑆢

306

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] 30

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

308

गुरु[illegible]द्विगत ॥ मन्त्रेणैव भाजि[illegible]पाशमद्धविम
हति ॥ ॥ मेदे विषयवैराग्यं ठद्रवैधयिको यगः ॥ एवं त्व
वन्दि[illegible]ये[illegible]मि[illegible]कन ॥ ॥ वन्दि[illegible]मदे[illegible]णां
प्रकं[illegible]नमं ॥ को[illegible]येम[illegible]तिः ॥ ॥
[illegible] ॥ [illegible]मि[illegible]
नि[illegible] ॥ ॥ [illegible]
र ॥ विचिकल्प[illegible]विचिकल्प[illegible] ॥ अचक्र

33 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆩𑆤𑆂𑆯𑆶𑆨𑇀𑆫𑆽𑆩𑆑𑇀𑆠𑆶𑆥𑆮𑆩𑆘𑇀𑆚𑆩𑆪𑆂𑇆𑇒𑇆𑆩𑆤𑆴𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆧𑇀𑆫𑆼𑆓𑆼𑆓𑆁𑆫𑆁𑆩𑆩
𑆧𑇀𑆫𑆶𑆢𑇀𑆣𑆴𑆥𑆑𑇀𑆫𑆶𑆠𑇆𑆮𑆴𑆩𑆼𑆰𑆽𑆫𑇀𑆮𑆟𑆵𑆓𑆨𑆷𑆨𑆮𑆢𑇀𑆮𑆓𑆨𑆜𑆴𑆧𑇀𑆫𑆴𑆂𑇆𑇓𑇆𑆫
𑆕𑆴𑆩𑆤𑆩𑆑𑇀𑆸𑆤𑇀𑆢𑆲𑆽𑆁𑆫𑇀𑆲𑆲𑇀𑆤𑆼𑆫𑆥𑆩𑆵𑆫𑇀𑆝𑇆𑆤𑆧𑇀𑆫𑆰𑇀𑆛𑇀𑆫𑆼𑆮𑆥𑆜𑆼𑆜𑆂
𑆑𑇀𑆰𑆵 ~ 𑆩𑆼𑆩𑆓𑇀𑆬𑆼𑆓𑇀𑆬𑆼𑇆𑇔𑇆𑆤𑆨𑆑𑇀𑆠𑆴𑆮𑆴𑆰𑆪𑆢𑆣𑆶𑆫𑆮𑆮𑆴𑆰
𑆪𑆬𑆼𑆬𑇀𑆥𑆂𑇆𑆑𑇀𑆰𑆩𑆩𑆑𑇀𑆫𑆩𑆫𑆱𑆴𑆲𑆼𑆫𑇀𑆰𑆟𑇀𑆝𑆼𑆰𑆠𑇀𑆫𑆼𑆩𑆥𑆩𑆶𑆝𑆼𑇆
𑆓𑆩𑆟𑆫𑆨𑆓𑆟𑆫𑆝𑆴𑆝𑆝𑆴𑆝𑆮𑆴𑆑𑆭𑇀𑆥𑆫𑇆𑆑𑇀𑆰𑆶𑆫𑇀𑆣𑆨𑆴𑆝
𑆲𑆫𑆠𑆴𑆑𑆼𑆮𑆫𑆶𑆓𑆴𑆮𑆨𑆁𑆯𑇀𑆫𑆴𑆝𑆂𑇆𑇕𑇆𑆤𑆴𑆓𑇀𑆫𑆩𑆼𑆤𑆴𑆫𑆢𑆑𑇀𑆰𑆿𑆫𑆑𑆴

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆮𑆢 𑇆 𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟𑆼𑆠𑆴 𑆮𑆴𑆨𑇀𑆫𑆴𑆰𑇀𑆛𑆖𑆮𑆖𑆽𑆱𑆑𑆳𑆬𑆴𑆕𑆼 𑇆 𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶
𑆓𑆂 𑆑𑆴𑆁 𑆮𑆴𑆲𑆫𑆠𑆴 𑆑𑆴𑆁 𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟𑆩𑆑𑆾𑆠𑆴 𑆑𑆩 𑇆 𑇗 𑇆 𑆑𑆪𑆼𑆨𑆼𑆘
𑆪𑆼𑆤𑆢𑆼𑆮𑆩𑆴𑆠𑆴 𑆢𑆵𑆤𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆤𑆂 𑇆 𑆨𑆮𑆓𑆕𑇀𑆔𑆼𑆠𑆴 𑆮𑆴𑆨𑆴𑆰𑇀𑆛 𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟𑆾
𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟𑆪𑆾𑆓𑆴𑆤𑆂 𑇆 𑆤𑆮𑆴𑆬𑆾𑆥𑆼𑆤𑆩𑆽𑆑𑆥𑆷𑆫𑇀𑆮𑆫𑆠𑆴 𑆓𑇀𑆫𑆩𑆾𑆫𑆜𑆼𑆟𑆇 𑇆
𑆩𑆣𑇀𑆪𑆼𑆪𑆩𑆮𑆤𑆫𑆱𑇀𑆮𑆥𑇀𑆤𑆩𑆥𑆩𑆇𑆱𑇀𑆠𑆸𑆪𑆾𑆓𑆴𑆤𑆂 𑇆 𑇘 𑇆 𑆑𑆟𑆩𑆂 𑆑𑆟𑆮
𑆑𑆟𑆂 𑆑𑆟𑆥𑆑𑆂 𑆑𑆮𑆴𑆮𑆑𑆪 𑇆 𑆇𑆁𑆩𑆤𑆇𑆓𑆴𑆪𑆼𑆠𑆴 𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟
𑆠𑆸𑆪𑆾𑆓𑆴𑆤𑆂 𑇆 𑇑𑇐 𑇆 𑆤𑆲𑆁 𑆑𑆴𑆩𑆥𑆴 𑆫𑆽𑆮𑆩𑇀𑆤𑆴𑆫𑆑𑆥𑆴𑆲𑆥𑆴𑆥𑆑𑇀𑆰

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

322

र ॥ यथ यत्नीवेरभिवेदत्नीव मृकृष्टयेगिनः ॥ [illegible] ॥ कोपे
नकृमवधिंश्रुकमष्टांकमकृऽ ॥ भवभक्तरतमीमय
विमः तुष्टमजक्तः ॥ [illegible] ॥ येनविश्वमिदंदृष्टंभयस्मीति
कोऽपि वै ॥ निरूपयतः किंकुर्वे पदेज्ञानिनःपद्मृत्तं ॥ = ॥ ये
न्दृष्टंपांशुकृन्नेदेहकृतिःमित्युपयेत ॥ किंमित्युपरि
श्रीतेजिह्वीयंयेनपदात्त ॥ [illegible] ॥ दृष्टेयनरष्ट्रविकोपानि
पंकजरडेक्षणे ॥ उदारपुरविलिकिंतुः भयात्तवस्तुऽडिति ॥ [illegible] ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

गीस्तोकवि पद्मेवस्तु गमेयेपि लोकवस्तु ॥ नमम शिरविद्ध
पंनलो पंमुग्रुपहृत्रि ॥ १८ ॥ रुवरुवविद्रीदेयम्भुत्रेमिच
मेरुवः ॥ नैवकिप्रिद्भूंत्रेरलोकमद्भूपिऊवस्तु ॥ १९ ॥
यरुद्देवविरुद्देवनैवतीम्भूरुतन्द्रः ॥ पषयःयिडुमण
त्रिउद्भूद्भवत्रिभुङ्म्रुतनमः ॥ २० ॥ रिवमेरिरलमुः सुकुले
मरुउठदुर ॥ कित्रुःपंस्फावस्तुरमिभुडेसुभूयरुवस्तु ॥ ।
कमंमाप्तुरकोपं नदहोविषप्तवस्तु ॥ ममीउरागगरविदं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

324

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆪𑆠𑇀𑆫𑆮𑆴𑆤𑆴𑆫𑇀𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆼 ॥ 𑇓𑇐 ॥ 𑆅𑆠𑇀𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆮𑆳𑆤𑇀 𑆑𑆳𑆫𑆶𑆑𑆩𑆳𑆠𑇀𑆩𑆳𑆮𑆴𑆢𑆴𑆫𑇀
𑆥𑆢𑆩𑇀 ॥ 𑆪𑆳𑆮𑆢𑇀𑆮𑆳𑆪𑆳𑆠𑇀𑆫𑆴𑆩𑆠𑇀𑆑𑆳𑆫𑆩𑆳𑆪𑆳𑆱𑆴𑆑𑆳𑆥𑆥𑆫𑇀𑆫𑆠𑆮𑆢𑆼 ॥
𑆥𑆑𑆫𑆶𑆢𑆴𑆮𑆴𑆡𑆫𑇀𑆮𑆳𑆥𑇀𑆫𑆳𑆛𑇀𑆚𑆳𑆃𑆲𑆶𑆫𑇀𑆢𑆴𑆲𑆩𑆳𑆤 ॥ 𑆠𑆼𑆤𑆱𑆁𑆣𑆼𑆥
𑆱𑆶𑆥𑇀𑆠𑆴𑆱𑇀𑆮𑆥𑇀𑆫𑆮𑆩𑇀𑆑𑆥𑆳𑆱𑆴𑆩𑇀𑆑𑆶𑆢𑆂 ॥ 𑆩𑆳𑆪𑆳𑆮𑆶𑆑𑇀𑆫𑆶𑆪𑆶𑆑𑇀𑆮𑆥𑇀𑆫𑆩𑆼𑆤𑆥𑆼
𑆢𑆴𑆮𑆴𑆑𑆳𑆢𑆩𑆳 ॥ 𑆅𑆠𑇀𑆮𑆴𑆱𑇀𑆩𑆪𑆩𑆳𑆢𑆶 𑆥𑆶𑆤𑆱𑆑𑆫𑇀𑆠𑆴𑆮𑆴𑆑𑆳𑆢𑆂
॥ 𑇓𑇒 ॥ 𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠𑆱𑇀𑆑𑆼𑆥𑆴𑆪𑆼𑆪𑆱𑇀𑆪𑆆𑆮𑆴𑆪𑆁 𑆥𑆳𑆫𑆁𑆮𑆴𑆫𑆩𑆼𑆪𑆁 ॥ 𑆩𑆶𑆑𑇀𑆠
𑆁𑆢𑆱𑆲𑆪𑆠𑆴𑆢𑆲𑆲𑆩𑆥𑆫𑆩𑆳𑆑𑆂 ॥ 𑇓𑇑 ॥ 𑆤𑆥𑆼𑆢𑆴𑆑𑆩𑆩𑆼

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ३७ ॥
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

कुणकिऽस्मात्र्यङ्गिरः ॥ विमत्तिलाभिस्तिहेतंविशिं
कनृभिक्रुये ॥ निचभं ङमिद्गुङ्कष्टुविषयन्नुक्षिः
॥ पवायडेमक्कुन्तुभेवडेस्डुमऽएवः ॥ नयाक्रिकी
कंठडुविमङ्कुयुक्कभवभः ॥ पहुकुग मदशक्षिपुत्र
प्रग्रदेयपष्मलभ ॥ वसुस्त्रव मडेलयुद्दडदि
त्रिग्कुलाः ॥ रैवमगमरमरमेदंदुवभूपष्ठुत्रि ॥
यटयक्कुडमयरेत्रिडमडक्कुसोटङ्गः ॥ मुठवविठ

330

वेद्मूर्तिर्मुनिश्चन्द्रो देववनः ॥ सूर्यः सूक्ष्मतनुर्मायोत्रिस्व
स्मृतिस्रष्टा प्रणवः ॥ सूर्यः सूर्यविच्छिन्नगात्रेद्युः सूर्यस्ते
पवनः ॥ १८ ॥ त्र्यक्षः कल्पद्रुमः ठेक्रूरः सप्तसूर्यमहेश्वरः ॥ उ
दक्षी ब्रह्मविद्वेषमनस्यः ब्रितुरुद्रयः ॥ उग्रस्फुरद्वाक्प्रि
लडकर्म्ना त्रिवीर्यः सूर्यलाउ ॥ उद्भवमध्युद्युष्मिद्रुसूर्यः
त्रिपुरध्वस्तनित्यः ॥ विद्यामहिमचन्द्रगोविमहिमा
गणकृत्सु ॥ विद्युत्करपाणिनीयमहत्त्वमकृतसूर्यः ॥ २३ ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

३३६

कणीठाठ॥ भरेषं दूला पंक्तिकंडभयोउउदूत्रउ१९।
२०॥ नदू मूर्द्ध पिउर्द्धं उराणदूउ विभ्रठ्यं॥ रवि
कस्येठाडिदद्दुदउविषयषवभरैः॥ ह्रूरास्तूलिउक
मूयसेकन्भूपिकउमन्तु॥ सपेठवभाकंउसडु
भपराकिऋर॥ कउभःकाएकमेव दांकमराकिठु
र॥ विविकरभूणीरभूविरउक्कभूभचरू॥ कठेदं
कविवकिंकठरिरउरूडपिक॥ मरिचपमूभू२०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

SN 343

पि क्रमाद्द्विद्विस्थितं स्मृतम् ॥ कृष्णाङ्गमभीरं च उत्कृष्ट
कृतं कृत ॥ कामेन्द्रलोकं समञ्च प्रणम्य युग्मद्विद्विस्थितं स्मृतम् ॥
क्षम्य हली विंडच कण्ठे लोकं कक्षं भूतं लोकं किकम ॥ काम
पः कृशम भणितं युग्मद्विद्विस्थितं स्मृतम् ॥ क्रमो द्विकम
कथयं योग्यं कथयं भृत्यलम ॥ क्रमो विद्धकथयं
विह्वलं भस्म भस्म ॥ उद्भूत विपक्ष त्रियुक्तं करं कर... ॥
८७ ॥ २२८ मित्रस्वरूप ८ ॥ गाथ उक्त विक्रम देव के

५/४ ...

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्रियलिङ्गाय नमः ॥ ॐ सूक्ष्मेशरूपाय हंसतुम्बुरुपायिगम्ब
रे ॥ ॐ सर्वेश्वराय वसिष्ठाय ओंकारविचित्रवर्णाय नमः ॥ ॐ नवपुत्रिं
विद्याय हेमगर्भाय हस्त्यश्वरूपाय नमः ॥ ४ ॥ ॐ विशिष्टरूपवशिष्ठां
देवोत्तमाय नमः ॥ ॐ उदुम्बराय रवीन्द्रः ॐ सर्वरूपसुरूपि
णे ॥ ॐ कात्यायन्यविक्रमालिनीवक्त्राय विश्वाय ॥ ॐ
हृदयकेशवशंभुगिरिविष्णुयक्षेशनववर्णाय ॥ ५ ॥ ॐ ककुत्स्थरूपव
देवोत्तमाय विश्वरूपाय सर्वरूपाय ॥ ॐ पीतकेशवत्सलवत्सकाय विश्वेश

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

346

ॐ मम पापं हर ॥ ॐ सर्वे ॐ पवत्र्नित्यविभक्ष्य
मवत ॥ ० ॥ ॐ भय ॐ पमंममरः ॐ श्रीत्रिविडिरूव
ॐ ली व ॐ पडङ्ग ॐ मचरविभक्ष्ये ॥ ॐ स्वर्तिरि
वत्रिव ॐ मत्रिः ॐ पठङ्गरत्र ॥ ॐ एव्यविरूतगष्ट
मभ्रन्द्रमभमचर ॥ ०३ ॥ ॐ पत्रिमः ॐ रमं ॐ
मिष्टः ॐ पकस्रम ॥ ॐ पक्षिम्रमधजेव निरूपणेः
मिवष्टम ॥ ॐ प त्रिरूपवर त्रिरूञ्चिवे कॐ

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

350

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitized by eGangotri

351

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

354

मशीराकवर्णात्तिमूलव शिवदेवः ॥ १ ॥ स्वच्छौ
भविरमरिः ममत्तिमण्डीमण्डवः ॥ दशमण्डपवेति
तिठामदुत्रवैकभुवः ॥ विपुद [illegible] ः पू [illegible]
[illegible] भमत्तुवैतवपलवकेलिक
[illegible] ॥ ३ ॥ ३ डिदमुकेभमत्तुम ॥ मुठं ॥ ः ॥ ४ ॥
[illegible] मिंडुभवमूर्ख [illegible] वडुविरमु लिलेपरिक
मकरदः ॥ राबिलोकपेभुं [illegible] मिंडुडषयः भग्निहिपर

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ ९ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ७ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ८ ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

यशो || ठ प्रचवस्तुचभदते भेलं विहृतकनयन्दीप
भेकुम || तुच गी वियोगविरङ्भक्षेय: मा हि हृत्पद्माभि
ष्ठितो वदतु भद्रम् || ६ || यदक्षे विलब्धिस्तुतमिक्षुवेत्: प्रक
मश्रुत्रौ विपरवेवठीध || मरवेत्ठक्षेत्रयखठगोक: म
हि हृत्पद्माभिष्ठितो वदतु भद्रम् || ७ || यवमुदणकेशकेव
नापुष्पिता मष्टठुतत्रिवठ्वेत्स्तुतप: || मलनाप्य
छित्त्वा मधीमेकपरवमा हि हृत्पद्माभिष्ठितो वदतु भद्रम् ||

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

यथरीकणक्षुः प्रकमेणविग्रन्तोः [illegible] प्रकमोक्तोऽति
प्रकम्पं ॥ न्मोकणिययद्वैकपूठेणऽनमिरिष्टपराजि
मद्रुपेदमहु ॥ ३ ॥ विवन्धुह्रठंतुयथ [illegible]
[illegible] विवन्धुड [illegible] नयहपूकमक ॥ ४ ॥
नमिरिष्टपराजिम्द्रज्ञोदमहु ॥ ७ ॥ ममगुषवन्धुषु
[illegible] ममन्धु विवन्धुरियर [illegible] विययहु
[illegible] नमिरिष्टपराजिम्दज्ञोदमहु ॥ ८ ॥

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

363

[illegible]

[illegible] ॥ ८ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

न [illegible] ८५

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

367

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ध्वरगन्धुत्ताम:॥ रक्तवरूढ्वतुण्डेभरगः॥ अपाङ्गिकः।
पीडवरूढ्वड॥ पीलारगोवयवीयः॥ मधुवरूढ्वडण
वलारगः॥ अलिलः श्वेडवलूढ्वड॥ डेम्भवस्तलाभिरु
।ष्ठकवि॥ पक्ष्टं पीथंकूडरं भक्षने श्वेवाष्ठारग
वक्त्रिडसुः नि क्षिवरहूबिठगोरवक्त्रिडः॥ यघष्टे ग्रुठ
डरगभक्तुभम्षमः॥ डडाक्तुवरूः। विहूभ भम्षमः॥ डढ
डिमाविडरक्तुलव। डडि। मूलिक्तिः॥ डडेडेभवरूभम्षमः

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

376

द्विकमिति॥ सद्भविंसहद्दकालि॥ वृद्धउंसमगीयगहुड

म॥ तद्भ्रद्दकालि। कारहुद्दगीहद्रः। कखेद्मगनयद्दी

मिति गायतद्दिवमनादि। द्दयडुः॥ उष्ठवयाडिः। दिवमाय

डः॥ गायत्तुद्देमतडि। नमसुग्युयानद्दहं॥ द्दयड डडि

मगयद्दीद्विवमद्दुदवगानविमजादमाहिडदि।

गयडुःपानसुद्वगाः॥ नविद्दीनदहेरवुद्धवडे कुलाप्त

लेदेह्निय दुष्ट॥ दमेति। कुदहुद्दिविदः वयलहित्वु

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ग १८ [illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

378

[illegible] 𑆮𑆴𑆰𑆪𑆂 𑇆 𑆨𑆮
[illegible] 𑇆 [illegible]
𑆮𑆴𑆰𑆪𑆂 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible] 𑇆 𑆮𑆴
[illegible] 𑆮𑆴𑆰𑆪𑆂 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑆮𑆴𑆰𑆪𑆂 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] । गायत्री [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
गायत्री वि[illegible] [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] गायत्री [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] । गायत्[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

वटु ॥ गा० यहं अविद्या । अथ विद्धं अनन्तं डी । अथ अस्तु हं अवि

वेदः । अथ [illegible] हं अथ [illegible] । अथ [illegible] हं अथ लोकः । अथ [illegible]

कहं अथ [illegible] । [illegible] गायत्री [illegible]

वटुकः ॥ कवचं हं हं [illegible] ॥ कं गायत्री ॥ कं हुं । कं कवचः । कं [illegible] ॥ कं

मर्कः । कं तालः । कं डपः । कं महंम ॥ कं [illegible] वीजं [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] गायत्री ॥

किं वैकृतः ॥ किं कवचः ॥ किं [illegible] ॥ किं मदः । किं तालः । किं डपः ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

383

किमर्थम् ॥ किंतत् किमविद्व: ॥ किं [illegible] ॥ किं [illegible] ॥ किं
[illegible] । किं [illegible] ॥ किं [illegible] । किं [illegible] । किं [illegible] । किं [illegible]
भूरिति भूर्लोकः । भुव इति भुवर्लोकः । मह इति मह-
र्लोकः । जन इति जनलोकः तप इति तपोलोकः ॥ सत्यमिति
सत्यलोकः ॥ इत्येते [illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

384

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

गदैवडसिठवत्रि॥ प्रचयंभक्तूयं छेतुगायद्दी॥ मद्दुमथ्यं
मनिद्दी॥ पम्धिमयं मम्हडी॥ रक्तगायद्दी झुडमनिद्दी॥
सक्षुमम्मडी॥ डक्रुसमीद्दक्र्नी॥ स्थ्सक्रुसमीमग्नी
स्रुगी॥ यिदृक्तसमीवैक्रुवी दंमवाडिगी द्दक्रीगी॥ सध्छव
डिन्नीमंकीस्रुगी॥ गगफेरवडिन्नी वैक्षुवी प्रचद्दक्रुवी
कमद्दुगायद्दीकर्सिकगयद्दी॥ क्रमगी रत्तुक्षीरत्तुवम
मी॥ गद्दुमंसतुतोपवी॥ पमक्रुमःस्मला॥ कमन्दना

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

यावगामित्री । मूलकटवमिडः । पञ्चशतिकं शेषाय
डति । पूर्वगत्वन्द्रदृश्य । पुजवीय । गादन्दहट
कित्रिग्रि । टहषणमध्यभवय । कुटवसुगिडिहटहिडश्य
कुकां उकानकां हिक । डदहनदडसगिडहि
क ॥ मडमहटफ त्रिडीय हिकजाः कतमिं । पुडहि
क ॥ गादुलमशेषज्ञहिक । हगदनसवत्रिक्ष्य । व
नमदडपुदिहडनायही । हिषुसगाडी । डय । वर्क ।

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

389

शङ्करविष्णुरूपा ॥ उद्दण्डहुङ्कार[illegible]रूपा । शुरहि
रण्यकेशिरूपा ॥ [illegible] ॥ द्वितीयं [illegible] ॥ [illegible]
ये मे [illegible] । [illegible] ॥ [illegible] । [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] । [illegible] ॥ [illegible] । [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] । [illegible] । [illegible] । [illegible] ॥ [illegible]

ग ह १०

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

395

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ॐ ह्रीं गायत्र्यै देव्यै नमः शिरसे स्वाहा॥ ॐ यं भूः हृदयाय नमः
ॐ ह्रीं ऊं नमः शिखायै वषट्॥ ॐ ह्रीं कवचाय हुं नमः
ॐ ह्रीं नेत्रत्रयाय वौषट्॥ ॐ भर्गाय ह्रीं हृदयाय नमः
ॐ ह्रीं नमः अस्त्राय फट्॥ नमः
ॐ ह्रीं भर्गाय शिरसे स्वाहा॥ ॐ भर्गाय ह्रीं
हृदयाय नमः॥ ॐ ह्रीं भूर्भुवः स्वः गायत्र्यै
नमः शिखायै वषट्॥ ॐ ह्रीं कवचाय हुं॥ ॐ

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆲𑆶𑆁𑆜𑆮𑆝𑆴𑇆 𑆓𑆮𑆤𑆢𑆶𑆢𑆮𑆟𑆵𑆝𑆼𑆜𑆮𑆝𑆴𑇆 𑆫𑆶𑆑𑆶𑆁𑆜𑆑𑆶𑆁 𑆓𑆫
𑆲𑆫𑆶𑆑𑆮𑆝𑆴𑇆 𑆪𑆢𑆶𑆩𑆢𑆶𑆩𑆝𑆶𑆥𑆮𑆼𑆜𑆮𑆝𑆴𑇆 𑆱𑆶𑆁 𑆲
𑆑𑆤𑆤𑆶𑆢𑆪𑆴𑆢𑇆 𑆲𑆑𑆬𑆼𑆁𑆑𑆳𑆓𑆝𑆵𑆢𑆴𑆜𑆓𑆮𑆢𑆫 𑆢
𑆲𑆑 ५५𑇆 𑆝𑆴𑆜𑆓𑆢𑆓𑆜𑆓𑆮𑆼𑆁𑆮𑆜𑆓𑆥
𑆲𑆵𑆲𑆪𑆼𑆁 𑆓𑆩𑆶𑆁𑆩𑆩𑆢𑆶 𑆩𑆶𑆜𑆪 𑆜𑆮𑆢𑆶𑆜 𑆜𑆮𑆵𑆢
𑆝𑆓𑆩𑆵 = = = = = = = = =
= = = = = = = = = = =

𑆓 ११८

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

401

श्री॰
शि॰ ०

ॐ स्वस्ति श्री ... भगवत्सुधां लिख्यते ॥ श्रीगुरवे नमः

ॐ एकं ब्रह्मस्थितिः ... शिवं ... विघ्नरूपं ... ।

... परं ... परमम् ॥

... शिव ... चक्र ... ... ॥

... ॥ श्री

... ॥ ...

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

402

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ज्ञादिक्षेलपरिस्थितः सत्रिसद सङ्गत्रः प्रस्रिमे ॥ स
स्थिलुष्टेत्र्पारिमृसतुसनसंभक्ष्मत्रक्रंपपां ॥ धैवसप
तुंविसत्रसतुलेकिमद्दुसाराम्रुये ॥ मेतुष्टः सुत्रिस
रवक्षासिवदरुस्तुसक्ष्मंपीसनुष्टस्त्रदक्षैपपत्रिक
रघभ्रुरत्नूदवभ्रिसपा ॥ हृदयः सक्तसपष्टुसतुस
नम पिंष्टपकमस्मक: ॥ सवसुष्टमाविमृतुसृडिक
वेतुभ्यत्रमीलसनुः ॥ सम्पुत्रिष्टविसत्रवसुविमलः

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री·
नि· ३

भतः भगवत्स्तुतिस्तुता ॥ [illegible] तिभगवत्ः भगवत्ः भगव
गदस्तुकलितः ॥ विश्वं [illegible] भवतं [illegible] भमपिलं [illegible]
तिभत्स्तुतम ॥ [illegible] विमि [illegible] ग्निरिति [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] विल भवमतेवीमी
तत्वल [illegible] विमलं [illegible] केप
रभा ॥ [illegible] भपाति [illegible] विकवं भव [illegible]
[illegible] वैकम [illegible] भमपिलं भचपकम [illegible] कभा ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆥𑇀𑆫𑆖𑆁𑆱𑆩𑇀𑆪𑆮𑆴𑆬𑆴𑆑𑆴𑆠𑆥𑆴𑆥𑆤𑆱𑇀𑆠𑆼𑆱𑇀𑆠𑆶𑆤𑆱𑆠𑆶𑆤𑆠𑆂𑇆𑆱𑆽𑆪𑆁𑆱𑆴
𑆑𑆶𑆠𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆠𑆵𑆠𑇀𑆫𑆴𑆫𑆬𑆬𑆪𑆱𑇀𑆠𑆶𑆩𑆶𑆮𑆩𑆶𑆁𑆱𑆠𑆼𑇆𑆨𑆨𑆤𑆠𑆴𑆑
𑆓𑆛𑆨𑆳𑆝𑆮𑆴𑆥𑆪𑆽𑆮𑆴𑆝𑆁𑆪𑆠𑆢𑇀𑆫𑆴𑆱𑇀𑆠𑆴𑆮𑆁𑇆𑆠𑆢𑇀𑆮𑆁𑆮𑆶𑆘𑆳𑆓𑆴𑆩
𑆪𑆝𑆴𑆑𑆪𑆩𑆳𑆑𑆶𑆠𑇀𑆫𑆴𑆩𑆶𑆳𑆕𑆛𑆠𑆨𑆳𑇆𑆤𑆼𑆱𑆼𑆢𑆼𑆩𑆴𑆤𑆩𑆳𑆱𑇀𑆩𑆴𑆂
𑆪𑆤𑆑𑆩𑆤𑆂𑆥𑆶𑆬𑆴𑆤𑆮𑆓𑆼𑆥𑆨𑆫𑆝𑆶𑆁𑆮𑆁𑆘𑆳𑆬𑆴𑆑𑆁𑆤𑆱𑆶𑆛𑆩
𑆥𑆴𑆤𑆼𑆑𑆠𑇀𑆫𑆶𑆓𑆑𑆽𑆠𑇀𑆫𑆳𑆝𑆑𑆂𑇆𑆓𑆽𑆑𑆠𑇀𑆫𑆴𑆑𑆑𑆮𑆠𑆂𑆨𑆳𑆥𑆴𑆠𑆴
𑆠𑆴𑆂𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆶𑆂𑆨𑆥𑆼𑆥𑆶𑆥𑆳𑆁𑇆𑆨𑆱𑇀𑆠𑆴𑆢𑆶𑆱𑆤𑆪𑆽𑆥𑆴𑆑𑆼𑆱𑆴𑆮𑆴𑆩

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

407

𑆩𑆵· 𑆩𑆴· 𑇔

𑆬𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆴𑆠𑆮𑆢𑇀𑆩𑆫𑆷𑆥𑆂 𑇆 𑆫𑆕𑆂 𑆱𑇀𑆠𑆴𑆩𑆑𑇀𑆫𑆶𑆩𑆴𑆑𑆤𑆟𑆓𑆮
𑆨𑆶𑆪𑆥𑆸𑆠𑆂 𑆱𑇀𑆫𑆵𑆱𑆩𑆴 𑇆 𑆨𑆱𑇀𑆑𑆂 𑆥𑆳𑆩𑆼𑆱𑇀𑆮𑆾𑆝𑆝𑆼𑆝𑆴𑆂 𑆑
𑆬𑆩𑆸𑆮𑆴𑆱𑇀𑆑𑆶𑆫𑆴𑆠𑆂 𑇆 𑆪𑆳𑆑𑆴𑆂 𑆩𑆖𑆓𑆾𑆥𑆴𑆩𑆼𑆥𑆸𑆩𑆝𑆮𑆤𑆶
𑆥𑆑𑆩𑆂 𑆱𑇀𑆩𑆴𑆠𑆂 𑇆 𑆨𑆑𑇀𑆫𑆥𑆁𑆥𑆴𑆟𑆪𑆩𑆢𑆮𑆴𑆑𑆾𑆮𑆼𑆤𑆥𑆳𑆠𑇀𑆫𑆴
𑆑𑆴𑆢𑇀𑆮𑆪𑆩𑆼 𑇆 𑆤𑆨𑆶𑆬𑆼𑆩𑆴𑆤𑆨𑆘𑇀𑆘𑆾𑆩𑆥𑆓𑆾𑆑𑇀𑆫𑆼𑆤𑆱𑆵
𑆾𑆮 𑇆 𑆤𑆱𑆶𑆑𑇀𑆬𑆾𑆥𑆴𑆤𑆬𑆾𑆝𑆴𑆾𑆤𑆩𑆝𑆓𑆴𑆝𑆶𑆥𑇀𑆬𑆾𑆤𑆥𑆵𑆾𑆮
𑇆 𑆯𑆵𑆝𑆶𑆥𑆼𑆩𑆴𑆩𑆘𑆥𑆝𑆥𑆴𑆩𑆴𑆮𑆂 𑆥𑆥𑇀𑆫𑆼𑆥𑆟𑆱𑇀𑆠𑆸𑆮

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

408

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

409

मी॰
मि॰ ५

उग्रंब्लूं नेकवमफिंठयपूष्टपिडफ्लूय॥ त्रिस्त्रैं
उपिविकेष्टभट्भमलः कम्मस्क्लिंविमीनवउ॥ यम्बु
स्कम्बुगिकेम्लूलविउवक्कुर्स्त्रृफिउकवं॥ मफ्लूलः
फिकयंहूंडीट्लवल्लिक्रूयः पपलवनिमा॥ भंयां
भक्षभउिंविदयपामंउप्नूमदमत्रिमं॥ स्रुमिद्वंवि
ल्भकुउंम्फावितः भवेभिकिंक्लिष्टमि॥ भंभरः
पाभऊंउंमिभुभकलेनिट्ंवधमुंप्यनं॥ डूंमस्त्रैंस्उि

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆥𑆶𑆩𑆴𑆑𑇀𑆖𑆴𑆫𑆱𑆬𑆩𑆖𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆩𑆴𑆑𑇀𑆖𑆴𑆁𑆟𑆝 ॥ 𑆱𑆢𑇀𑆮𑆻𑆢𑆤𑇀𑆤𑆬𑆴𑆢𑇀𑆮𑆼𑆮
𑆑𑆼𑆝𑆫𑆑𑆰𑆪𑆩𑆶𑆥𑆶𑆜𑆴𑆫𑆢𑇀𑆮𑆶𑆁 ॥ 𑆇𑆢 𑆱𑆻𑆢𑆴𑆗𑆰𑆮𑆴𑆩𑆼𑆝
𑆩𑆤𑆪𑆼𑆩𑆑𑇀𑆫𑆼𑆩𑆽𑆣𑆤𑇀𑆢𑇂𑆥𑆴𑆜𑆮 ॥ 𑆢𑇀𑆫𑆴𑆢𑇀𑆮𑆽𑆮𑆮𑆴𑆜𑆴𑆩𑆫𑆮𑆴𑆮𑆼𑆬
𑆬𑆱𑇀𑆩𑆽𑆮𑆑𑆶𑆩𑆼𑆥𑆥𑆴𑆤𑇀𑆤𑆬 ॥ 𑆱𑇀𑆑𑆶𑆪𑆪𑆩𑆴𑆮𑆪𑆗𑆑𑆱𑇀𑆩𑆽𑆥𑆝𑆰
𑆫𑆤𑇀𑆢𑆶𑆩𑆴𑆮𑆝𑆼𑆑𑆶𑆩𑆩𑆳 ॥ 𑆩𑆼𑆥𑆩𑆼𑆝𑆴𑆗𑆴𑆤𑆴𑆬𑇀𑆬𑆥𑆫𑆥𑆳𑆩𑆪𑆼𑆩
𑆤𑆼𑆩𑆑𑇀𑆫𑆥𑆩𑆜𑆁𑆩𑆫𑆱𑇀𑆩𑆽𑆪𑆝𑆱𑆶𑆩𑆼𑆮𑆥𑆳𑆩𑆱𑆝𑇀𑆢𑆱𑇀𑆩𑆜𑆩
𑆩 ॥ 𑆱𑆶𑆩𑆴𑆝𑇂𑆇𑆥𑆪𑆼𑆩𑆩𑆣𑆬𑇀𑆬𑆪𑆼𑆬𑇀𑆬𑆮𑆢𑇀𑆢𑆴𑆑𑆬𑇀𑆬𑆽

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

412

𑆩𑆛𑆥𑆴𑆩𑆨𑆵𑆝𑆘𑆠𑇀𑆫𑆳𑆥𑆮𑆑𑆂 𑇅 𑆥𑆾𑆝𑆼𑆑𑆮𑆝𑇀𑆪𑆼𑆥𑆴𑆢
𑆑𑆩𑆴𑆝𑆢𑆤𑇀𑆪𑆢𑆂𑆱𑆥𑆩𑆳 𑇅 𑆢𑆩𑇀𑆢𑆢𑇀𑆫𑆴𑆩𑆳𑆥𑇀𑆫𑆳𑆩𑆴
𑆮𑆂𑆱𑆢𑆓𑆝𑆼𑆑𑇀𑆫𑆴𑆑𑆂 𑇅 𑆮𑆵𑆢𑆝𑆴𑆮𑆴𑆩𑆊𑆴𑆮𑆴𑆝𑆢𑆥𑆴𑆝𑆢𑆂
𑆩𑆮𑆑𑇀𑆫𑆴𑆝𑆼𑆥𑆑𑆢𑆂 𑇅 𑆓𑆵𑆊𑆥𑇀𑆫𑆴𑆩𑆴𑆑𑆢𑆱𑇀𑆫𑆴𑆮𑆥𑆮𑆩𑆳𑆁𑆪
𑆝𑆢𑆪𑆩𑆝𑆢𑆁 𑇅 𑆮𑆴𑆩𑆠𑇀𑆫𑆵𑆁𑆩𑆩𑆥𑆼𑆝𑆮𑆱𑇀𑆫𑆴𑆥𑆴𑆪𑆝𑆴
𑆥𑆊𑆁𑆪𑆧 𑇅 𑆩𑆩𑆁𑆪𑆠𑇀𑆫𑆩𑆪𑆝𑆼𑆥𑆴𑆥𑆴𑆥𑆴𑆊𑆁𑆑𑆼𑆪
𑆧𑆮𑆩𑆳𑆩𑆱𑇀𑆫𑆓𑆝𑆩𑆑𑇀𑆫𑆴𑆮𑆮𑆴𑆩𑆊𑆝𑆩𑆮𑆳𑆑𑆳

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

413

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

414

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

415

श्री. शि. ३

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

417

श्री·
पि· ७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

419

संयमह्लीं केनमपाः अंपूह्रींकिंव्लवेते॥ द्रांभूस्म
दक्षःपरिठवःअंवभेतेल्ययते॥॥ येनक्ष्मपरितःप
रपावधःभजह्रूतःमह्रूतः भ्रस्मंगूहमह्रूवधुम
दल्ह्लीं नमंविक्ष्मयः॥ वेहःगंनमाखंल्लयल्लय
कषयपहूपहूह्रिंनि॥ ज्भूश्रिपूक्ष्मिमह्रिमेद
विठिषपूल्लःममह्लीं ह्रूबमा॥ श्रींयंक्लीं भूमगीरम
हृहपिवत्रंङःह्रिंहूंवलयः॥ प्रहमभूल्लमेदव

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

420

ष्ठिविलये भलपामठ्ठक ॥ ष्टंभ्रुह्मभमितुमं ॥
भडह्ल्ल्लीत्ल्लः मभ्रुं ॥ लिंकरभ्रविठिःभम
ष्ठिभावरूभिद्भःमभलंभड्डिः ॥ यनह्मिरसंभ्रुःप
गफिरूनद्रैःकमतुभ्रुक्रिः ॥ भ्रुह्मनगूडमङ्गिपतुवम
तुह्लुतुःमसपेकिडः ॥ लिंकभुत्वकामभगतुवंगवं
मोरंपवकेंतुंठवठतुंगडिकरभिहूरभष्टमितुः
॥ यतुक्लिंफिफिरंमठवमप्ताबूझमकुपेभयिविस्

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री·
मि· ७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

424

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

425

श्री: ०३
मा:

स्तम्भवत्प्रयत्नेऽपि यत्र तेन तत्स्मृतिस्तत्र वक्षोऽत्रैव
मि स्थितः॥ मितदेवविवक्षुरुदितेनयद्यद्भूतोऽपि
ममायया॥ मुक्तेयं मिलद्येकुयपिमदश्रुम्भु
तिष्ठन्तत्वैतिपुष्टमलेश्रयिहिमलत्वेन्तुयत्रम्भुठ
यमा॥ उत्कृत्तस्मृतिमिलद्भ्रकुप्भमलंविद्धुत्तम्हंप
त्वश्वत्वगुह्यमत्रिमिमित्तहस्मिकृपय दृग्वमुयमा॥
मायावृत्तिः सविकल्परूपा तिमलिनं लीनठवेत्तुह्र

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

५२८

श्रीयंतद्रूकुतमापंसविलसत्तत्त्विसधुंसरु
मा॥ सर्वंसत्त्वात्पुच्चसमूविसलेवकैमूदमत्रि
ष॥सक्लिस्मृसत्तसमर्त्यंभुवितुलंवक्रम्नैरेंपाम्
मीनवःपुनधूवकमतुरंकत्रूपूमत्रतोवांव
रमविज्ञसम्भितमापंयसर्क्षकुद्ध्रापम्॥कश्चि
मतुमवेःसञ्चसवैभिष्टसुगन्धंतो॥मन्त्रोमि
म्रविकल्पितस्तूमविहीनीयंसमंमत्वामा॥॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री:
त्रि० ७२

स्तुत्वैवं गुरुवत्साम अस्मि विष्णुवं हृदयः सा त्रिपुरं स्निग्धे
पिप्पलकलीमकारणिषणं भुक्त्वा कृतिं परमः ॥ सुमे
वेभगाउः पिसमममत्रिवत्निम् ... तीउः सर्वं मे ...
... मस्तुत वविषदं रु ... ॥ यन्मुं मे स्निग्ध
ं सुराः सकलागमाचः सत ... शिवमत कृ
... पित्रमेतेउमृगम ... पि ॥ ...
... पकलं णियवं मि उभु ... निममपुमगुम

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆩𑆬𑆁𑆥𑆸𑆥𑆶𑆧𑆴𑆮𑆘𑇀𑆘𑆱𑇀𑆩𑆶𑆪𑆩𑆳𑇅 𑆤𑆢𑆁𑆤𑆢𑆩𑆴𑆤𑆁𑆤𑆪𑆲𑆤𑆥𑆵
𑆝𑆢𑆸𑆑𑇀𑆰𑆴𑆪𑆑𑆼𑆮𑆬𑆼𑆲𑇀𑆬𑆤𑆲𑇀𑆬𑆤𑆮𑆴𑆑𑆬𑇀𑆥𑆮𑆑𑆵𑆝𑆴𑆟𑆼𑆃𑆑𑇀𑆰𑆴
𑆱𑇀𑆮𑆮𑆱𑇀𑆜𑆮𑆴𑆜𑆴𑇅 𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑆟𑆪𑆩𑆼𑆬𑆟𑆼𑆓𑆶𑆱𑆮𑆿𑆓𑆑𑆼𑆢𑆱𑆼𑆮𑆼𑆤
𑆟𑆼𑆱𑇀𑆮𑆬𑇀𑆬𑆁𑆠𑆴𑆤𑆴𑆁𑆟𑆼𑆱𑆮𑆩𑆬𑆴𑆟𑆼𑆫𑆳𑆢𑆥𑆩𑆑𑇀𑆰𑆥𑆶𑆱𑆩𑆳𑇅𑇅
𑆩𑆁𑆓𑆬𑆮𑆴𑆰𑆩𑆱𑇀𑆮𑆑𑆮𑆩𑆥𑆳𑆢𑆥𑆴𑆱𑆶𑆱𑇀𑆮𑆪𑆁𑇅 𑆱𑇀𑆮
𑆩𑆬𑇀𑆬𑆤𑆩𑆑𑆴𑆥𑆷𑆮𑆟𑆶𑆟𑆩𑆬𑆼𑆥𑆶𑆮𑆤𑆑𑆢𑆁𑆪𑆰𑇅 𑆱𑆵𑆩𑆝𑇀𑆠
𑆩𑆳𑆪𑆩𑆁𑆥𑆩𑆁𑆩𑆑𑆬𑆓𑆴𑆩𑆷𑆝𑇀𑆞𑆑𑆮𑆝𑇀𑆫𑆟𑆼𑆮𑆝𑇀𑆫𑆟𑆶𑆩𑆴𑆩𑆁

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

430

[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

मू॰ ०१
फि॰

भुरुषयच्छ्रिति मध्यपरिस्मिन्नगरैः कठमप्रत्ते॥ ८
जिरंगत्तमस्त्रिभेत्तिविमलपूष्णवत्तमसित्तः॥ य
त्तुभीमत्तिमित्तुमत्तिपरमठंगेपिविम्नसित्तः॥ मेयं
स्तुप्पुममरुवक्षिविषयंमहंत्तमत्तकृत्तमा॥ सुरु
त्तः ममदेस्वाःस्ववपषपूधु मलक्ष्मीपरमगुरुस्वेत्त
वनंक्ष्ण्ठस्तुपरितेभीत्तः जयंमत्तुवः॥ मत्तुस्वपिवि
लक्षित्तःमठयरुःमहंक्षित्तकेमयंत्तं वीवमत्त

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

43B

मू॰ फि॰ ०१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆯𑇀𑆫𑆵· 𑆨𑆶𑆤𑇀𑆢𑆢𑆮𑆴𑆫𑆢𑆁𑆠𑆼𑆬𑇀𑆥𑆯𑇀𑆫𑆵𑆠𑆴𑆥𑆷𑆮𑆩𑆂 ॥ 𑆱𑆶𑆠𑆁𑆩𑆠𑆴𑆫𑆠𑆶𑆩

𑆑𑇀𑆫𑆴· 𑇐𑇓 𑆫𑆪𑆑𑆬𑆼𑆮𑆮𑆷𑆕𑇀𑆩𑆩𑆩𑆩𑆠𑆁𑆓𑆕𑇀𑆮𑆕𑇀𑆓𑆕𑇀𑆮𑆕𑇀𑆓𑆮

𑆕𑇀𑆕𑆼𑆪𑆮𑆕𑆼𑆪𑆮𑆮𑆠𑆂 ॥ 𑆯𑆶𑆩𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶 ॥ ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

437

र ॰ ५०

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॐ भगीरथस्तुत्युदरि गुण्य

मृत्युंजयाय ॥१॥ यद्वक्त्रं मित्रवत् महिम पारम

स्वरः ॥२॥ यः श्रीकण्ठः पद्मवर्णपारमक्रमनः ॥

विष्णुविष्णु ड्डमर्दनः सर्वदर्पहरम्भ ॥३॥ प्रभ

गच्छि स्रग्विनीपत्रसूक्ष्मसमयसू ॥ नमो नमः कमलम

कालीरविन्द्र ॥४॥ त्रिपुरुषं सुमुहूर्तमत्र्यये

त्रिकपटे ॥ सविल्लहृतः सर्वविप्रदक्षटवन्नमि

१ मंहृतअमुच्चयोगायममनुल्लमतअप्यये॥ वियसर्वयमनुङ्क
पयविक्तवेममङ्कवेनमः॥५॥ छिन्नधपित्रच्छिंन्नयच्छिन्न
धच्छिन्नमेवम॥ नमममङ्कचममटंङ्कपंतद्यमेस्वागम(
६॥ पूर्णवेत्रगमस्त्वतधूल्लवेमक्ततपनः॥ वज्रज्रपि
वेनुष्टगुप्तयमङ्कनवेनमः॥७॥ वज्रज्रगङ्किल्लीहमहं
पिनःमवतोगत्तः॥ पगमेस्वागंमष्टमछिंडंमीमिवमुमः
८॥ निक्तपएवममङ्कगमछितुवेपितवतत॥ ल्गगाम्बिंत्तग

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

गी·
सं·८
७

मसुभ्यकलस्वप्रपक्षलिन ॥७॥ मयल्लेस्यक्ष
भृगुहृहविमलीदतसा ॥ मिवल्लनं भ्रौडहृगुंरुहृदि
दादंमनः ॥९॥ षधृमाणीपरिस्कुरुडलयेनापृडि
न ॥ परमऊकडवयवलिंयमिडवयडे ॥१०॥ मपि
पत्रूमगम्हीरंपालल्हूडिपडिडः ॥ उद्रपुडमसंर
मभडुडवडत्रुदमः ॥१२॥ नमस्तुहेपियमेमकल
कलिडमापामः ॥ नबंधुप्रपिपमृडिपामनद्वयि

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

५५१

दि

न॰ क॰ ३

त्रिपुरनियतजिष्णु ॥ भुवनेश्वरं पदकमलं भक्तमानसलिनं सकलिनीनमः
॥ ०३ ॥ हृदीश्वरमुल्लसयेनामृतभावहर्षहर्षप्रसूतलतः ॥ नमपि
ष्टपदेहर्षैः किमत्र लब्धैः फलम् ॥ ०७ ॥ नमो नमः सि
वयोगिभिरनुभवमहर्षमस्मिञ्जः ॥ ०हश्रीमभ्नवीज्ञदिभिप
केतुपदहृदः ॥ ७ ॥ कः पञ्चयेननवधृधृ कमववद्रेमृम
पय ॥ किंहर्षंयेननहेहवः किंवा किं नमियदद्वै ॥ ७० ॥ ।
मत्रिदेयमयंहर्षजस्मपधदेषिदजदहयमा ॥ नमभ्रूदभमाद

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

443

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

5444

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

445

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆱𑆴𑆢𑇀𑆣𑆴𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆠𑇀𑆑𑆸𑆥𑆼𑆠𑆴𑆖𑇀𑆗𑆴𑆥𑆼𑆝𑆑𑆂 𑇆𑇔𑇘𑇆 𑆥𑇀𑆫𑆳𑆓𑆶𑆑𑇀𑆠𑆥𑇀𑆫𑆖𑆑𑇀𑆫𑆢
𑆟𑇀𑆝𑆥𑆫𑆤𑇀𑆠𑆶𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆖𑆑𑇀𑆫𑆩𑆟𑇀𑆝𑆼 𑇆 𑆆𑆩𑆠𑇀𑆠𑆶𑆖𑆠𑆶𑆫𑇀𑆥𑆢𑇀𑆨𑆴𑆫𑇀𑆢𑆶𑆫𑇀𑆓𑆶𑆮𑆽𑆮𑆽𑆩𑆠𑆴
𑆥𑆂 𑆥𑆳𑆰𑆴 𑇆𑇔𑇙𑇆 𑆪𑆳𑆮𑆢𑇀𑆢𑆶𑆓𑇀𑆫𑆩𑆥𑇀𑆱𑆶𑆦𑆩𑆢𑆩𑆷𑆬𑆓𑆶𑆬𑆮𑆴𑆩𑆶𑆂
𑇆 𑆢𑆶𑆲𑇀𑆠𑆴𑆫𑆳𑆩𑆥𑆵𑆨𑇀𑆫𑆶𑆥𑆫𑇀𑆮𑆒𑆮𑆛𑆢𑆩𑇀𑆨𑆷𑆠𑆼 𑇆𑇕𑇐𑇆 𑆆𑆥𑆩𑆁 [illegible] 𑆑𑆩
𑆱𑇀𑆪𑆑𑆁𑆩𑆥𑆢𑇀𑆮𑆴𑆩𑆆𑆠𑇀𑆑𑆶𑆠 𑇆 𑆱𑇀𑆮𑆮𑆁𑆩𑆴𑆠𑆿𑆩𑆽𑆩𑆪𑆥𑆩𑆼𑆩𑆪𑆩𑆶𑆩𑆴
𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑇆𑇕𑇑𑇆 𑆑𑆴𑆩𑆱𑇀𑆠𑆂 𑆑𑆿𑆩𑆵𑆝𑆴𑆩𑆮𑆱𑇀𑆪𑆥𑆛𑆮𑆱𑆸𑆠𑆂 𑇅
𑆩𑆖𑆤𑆩𑆷𑆢𑇀𑆢𑆴𑆑𑆩𑆠𑇀𑆑𑆴𑆂 𑆩𑆑𑇀𑆫𑆵𑆩𑆳𑆬𑆼𑆩𑆩𑆩 𑇆𑇕𑇒𑇆 𑆓𑆶𑆫𑆶

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

५५९

𑆤𑇆𑆑
१

𑆱𑆵𑆢𑆴𑆯𑆴𑆩𑆴𑆥𑆶 𑆮𑆴𑆯𑇀𑆮𑆼𑆰 𑆠𑆴𑆩𑆪𑆪𑆱𑇀𑆫𑆂 ॥ 𑆭𑆝𑆳𑆝𑆮𑆑𑇀𑆫𑆁𑆯𑆼𑆥
𑆫𑆂 𑆥𑆷𑆠𑆴𑆤𑆴𑆠𑆴𑆨𑆶𑆮 ॥ ५५ ॥ 𑆮𑆴𑆱𑇀𑆥𑆶𑆠𑇀𑆫𑆴𑆤𑆥𑆾𑆩𑆢𑆷𑆱𑇀𑆩𑆴𑆮𑆴𑆩𑆠𑆴
𑆥𑆷𑆫𑆼 ॥ 𑆮𑆪𑆼𑆮𑆳𑆱𑇀𑆩𑆶𑆩𑆢𑆼𑆲𑆥𑆴𑆩𑆪𑆪𑆩𑆼𑆪𑆪𑆪𑆠𑆮 ॥ ५६ ॥ 𑆱𑆳𑆭𑆴
𑆤 𑆱𑆴𑆠𑆶𑆠𑆮𑆥𑆶𑆂 𑆩𑆮𑆼𑆯𑇀𑆮𑆢𑆁𑆑 𑆮𑆁𑆘𑆪𑆂 ॥ 𑆱𑆩𑆵𑆝𑆮𑆝𑆮𑆱𑇀𑆑𑆴𑆠𑇀𑆠𑆴
𑆑𑆭𑇀𑆥𑆥𑆳𑆢𑆥𑆥𑆭𑇀𑆭𑆮𑆂 ॥ ५८ ॥ 𑆪𑆪 𑆱𑆴𑆠𑆶𑆱𑇀𑆠𑆫𑆑𑆳 𑆱𑆴𑆩𑆖𑆑𑇀𑆑
𑆭𑆼𑆝𑆮𑆩𑆪𑆂 ॥ 𑆣𑆴𑆭𑆶𑆥𑆴𑆑𑆢𑇀𑆢𑆴𑆢𑇀𑆮𑆭𑆥𑆷𑆩𑆼𑆤𑆮𑆑𑆝𑆁𑆩
𑆬𑆵 ॥ 𑆤𑆩𑆂 𑆥𑆷𑆫𑇀𑆤𑆮𑆩𑆳𑆢𑇀𑆢𑇀𑆮𑆶𑆩𑆤 𑆩𑆼𑆑𑆤𑆴𑆮𑆱𑆴𑆠𑆼 ॥ 𑆑𑆴𑆑𑆠𑆴

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

453

न॰ कः
७

तेन मत्रूते ठवेत ॥१०॥ न मस्रु ठव मशूतु हृत्ति मरूरह्नि
त हृन न ऋ म नि स्रु त्रेवृद्द द्ध चि ढ शत्ते ॥११॥ अश्
प हृद्धप दतु विमेषह्के मृ गै वेः ॥ मय भक्तानि मेषा
मष्ठं सुं प तुनः मिवः ॥१२॥ वैर शृ शूगाडि तुचीह्न सूप
रमं स्नियमत् ॥ नैः महस्पपं कें तिं विहृडं हुं पूकुः पूर्ण
॥१३॥ वृज्ञ पिढववृज्ञ कश् नेम भुमेमितुः ॥ स्गकु
ल्ल शा कल्लं किं यद्व मिडि वेडिक ॥१४॥ किमन्ते

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

454

उद्गृहि किं कमलहृद्धिस्थ मिहिमुप ॥ सचमूर्तेभमेमद्व
यउदुर्नुकवल्लवरु ॥ १० ॥ ल्यपत्रिभेदमयग्निमलभ
ह्वलतदम: ॥ मेवये ॥ रलदपुष्पिद्वपीग्रपविपूषः
११ ॥ गयकूगीयडेयमृणिथंडेल्ल: पूर्णिकमा ॥ मे
लयेलपिकश्चित्र: भृणिय: सद्भवपूकु: ॥ १२ ॥ मपु
प्रत्नुकिमकमृभापिप्रतुंपव: श्चिडिमा ॥ मन्नशीकृत
चयपद्वतुपु: सचंकाष्टमि ॥ १३ ॥ वमुडडूंपडसं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

455

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

456

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

457

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆤𑆁𑇇𑆲𑇇 𑇐𑇓

𑆩𑆴 𑇆 𑇗𑇑 𑇆 𑆑𑆿𑆠𑆶𑆬𑆴𑆓𑆠𑆴𑆑𑆩𑆶𑆠𑇀𑆠𑆩𑆶𑆠𑇀𑆠𑆂 𑆑𑆿𑆮𑆴𑆲𑆶𑆬𑆴𑆓𑆠𑆴𑆑𑆂 𑇆 𑇆
𑆝𑆠𑆴𑆤𑆰𑆤𑆩𑆨𑆶𑆁 𑆑𑆴𑆁𑆑𑆴𑆁𑆥𑆴𑆩𑆽𑆤𑆩𑆨𑆼𑆝 𑇆 𑇗𑇒 𑇆 𑆑𑆵𑆠𑆶𑆤𑆼𑆰𑇀𑆛
𑆨𑆝𑆽𑆰𑇀𑆪𑆩𑆷𑆪𑆗𑇀𑆩𑆠𑆶𑆂 𑆢𑆬𑆁𑆈𑆮 𑇆 𑆈𑆨𑆶𑆠𑇀𑆠𑆩𑆥𑆴𑆑𑆼𑆛𑆽𑆬𑆁𑆑𑆴𑆩
𑆩𑆝𑆁𑆓𑆕𑇀𑆓𑆝𑆼 𑇆 𑇗𑇗 𑇆 𑆥𑆴𑆬𑆶𑆰𑆥𑆷𑆈𑆵𑆪𑆈𑆵𑆰𑆈𑆩𑆈
𑆩𑆴𑆰𑇀𑆜𑆴𑆥𑆴𑆰𑆤𑆈𑆂 𑇆 𑆲𑆠𑇀𑆠𑆨𑆶𑆦𑇀𑆠𑆴𑆩𑆼𑆮 𑆣𑆶𑆁 𑆥𑆷𑆈𑆪𑆼𑆤 𑆰𑆩𑆖𑆩
𑇑𑇐𑇐 𑇆 𑆤𑆩𑆨𑆽𑆬𑆽𑆜𑇀𑆜𑆤𑆰𑆪𑆠𑆶𑆲𑆷𑆁𑆜𑆮𑆜𑆮𑆕𑇀𑆓𑆶𑆰𑆨𑆳 𑇆 𑆢𑆴𑆬𑆼𑆑𑆵
𑆤𑆰𑆝𑆩𑆸𑆤𑆳𑆤𑆴𑆖𑆴𑆤𑆪𑆑𑆩𑆈𑆶𑆪𑆽 𑇆 𑇐 𑇆 𑆩𑆴𑆂 𑆩𑆼𑆰𑆑𑇀𑆰

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श॰ः
ह॰ ०३

मनोरथः स्फुरेत्यमूर्मेविष्टमिवमिद्धयमा॥१८॥स्फु
रद्दीप्तिलये: लोकत्रयमेपद्मियस्विद॥सकेवेमठ
वन्धुक्तिः स्वरत्रंमतमीवरु॥१९॥ह्लिलेहमिदकम्भू
उस्मिउप्रेनेपिडपिडः॥उम्भेनमेभुउयमुंउन्निव
ष्णुमउहमः॥उ॥दत्रिमपिकवन्धुक्तिगरुत्रिमठ
लेमय॥पिस्कुमनेन्धुवेस्मपकिंठलेडियेमुउ
मा॥२॥उस्वजगीजुसेयेनमगाडिन्नमूमेयय॥॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

श्री॰ ठ॰ ०२

तत्तत्त्वं स्मिन्नध्वनश्रीत्रिकवन् ॥ वेद्मलब्धनत्पूर्वपु
मलम्बनः मूर्ति ॥ ०१ ॥ मुद्रमुद्रपूर्मचपूर्वयकत्रवं
नपि ॥ कवृद्धिर्मुद्रनतीमुकंमैवमकेवलम् ॥ ०२ ॥
पूमत्रेमनामिश्रमिकिन्द्रनिविमभकिम ॥ इद्धवेम
ध्रुमीसत्त्वमित्रिमिलयत्रमनः ॥ ०३ ॥ निद्वयः पूर्वत्रे
श्द्वसठिपूनमेवनादि ॥ पूसमिमनमः भूम्सिमिद्रिम
द्रमंपरमम् ॥ ०४ ॥ वरुद्धत्रद्धकटंममगीतमभमयद्ध

श्रीः

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

५६५

ठेत्रृहृमस्तिनउस्कृय स्तृ स्कृवैककृषमा ॥१९॥ भुवनित्रु
मलिंकृगिमैनेगवदलैपूरुमा ॥ ठजिलदृलयंमम्
दठुनगयालिठकठगु ॥२०॥ इति श्रीवठुनगदाणविर
चितं श्रुइविठ तिस्मभप ॥ छ ॥ शुभमस्तु

छ ॥ छ छ छ

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

465

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ठे । स्त्रपुष्टीठे । त्सवव । पहा । दुम । क्रुड । घेड । पिमल ।
ऊष्कड । सिद्दु । येगिमी । स्फकिली । स्कुरूपौगैगा-
रङना । सहक्रूरूडस्कुदमहा पमधम । मचमप । वि-
घ्नंमप । विघ्नंमय । विमूर्वच विमूर्वच । मद्भेव मद्भेल-
गारूप । ममलेप । डलेप । कम्मीरुम । ३ । मडमूर्वडैम-
कमूमलाठ्य । मडमूर्पुदलाठ्यठ । स्वलस्वल । पुस्व-
लपुस्वल । विघ्नकूप । वक्रकूप । मपमभ्रमल । मडवाद

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

469

म. पं. ९

नमः पद्मनाभाय । वैकुण्ठाय । नारायणाय । पुण्डरीकाक्ष । गोविन्द ध
रणीधर । हृषीकेश । केशव । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वसु
देवाय । नमो भगवते नारायणाय । नमो भगवते विष्णवे । नमो भगवते पु
रुषाय । नमो भगवते त्रिविक्रमाय । नमो भगवते विश्वरूपाय । नमो भग
वते पुरुषोत्तमाय । नमो भगवते श्रीधराय । नमो भगवते गरुडध्वजाय ॥
नमो भगवते । इति श्रीविष्णुनामस्तोत्रं समाप्तम् । शुभम्
अस्तु । लिखितं पण्डित ... वेङ्कटेश्वरी । पण्डितम्

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ॐ ह्रीं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

474

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

ग.प.
५

धूमे॥ मच क्रुते धूमं धूवक्रन क्रक॥ सुकष्टिलि॥ सुवेमवि
ष्टल मलिवि॥ मेषलि॥ पिषलि॥ मंमेडक्षि॥ नीलपङ्के॥ म
डनीले॥ मडगोगि॥ मडस्मिये॥ मडम क्षि॥ मडमेति॥ म
डमग्रति॥ सुमिहाम्म॥ रक्तवी॥ यमध्यजे॥ किलिकि
लि॥ मितुमलि॥ मौति॥ मदेवे॥ मचकमरूप्ये॥ यम
मनी॥ षिडकदंडममसिद्रूडशुज॥ सेकु:सुद॥ सेकुव:
सुद॥ सेम:सुद॥ सेकुकुव:सु:सुद॥ यडमवगाडं

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

𑆥 𑆥𑆁𑆟𑆽𑆮𑆥𑆶𑆠𑆴𑆓𑆱𑇀𑆑𑆠𑆶𑆱𑇀𑆮𑆢 ॥ 𑆮𑆾𑆁𑆫𑆬𑆼𑆩𑆢𑆮𑆬𑆼 ॥ 𑆱𑆩𑆴𑆢𑆶𑆩
𑆟𑆴𑆱𑇀𑆮𑆢𑆽𑆩𑆽𑆩𑆳 ॥ 𑆟𑆢𑆽𑆩𑆳𑆁𑆥𑆟𑆴𑆩𑆴𑆢𑆶𑆥𑆳𑆩𑆮𑆽𑆱𑇀𑆟𑆮𑆵𑆱𑆵
𑆱𑆥𑆳𑆬𑆴𑆟𑆩𑆢𑆮𑆴𑆢𑆁 𑆟𑆴𑆲𑆁𑆮𑆥𑆟𑆴 ॥ 𑆮 𑆩𑆟𑆴 ॥ 𑆮𑆱𑆳
𑆪𑆟𑆴 ॥ 𑆩𑆂 𑆩𑆮𑆴𑆲𑆂𑆥𑆟𑆑𑆼𑆲𑆽𑆩𑆢𑆟𑆴 ॥ 𑆥𑆳𑆩𑆮𑆽𑆱𑇀𑆟𑆮𑆵𑆱𑆶
𑆑𑆩𑆳 ॥ 𑆯𑆶𑆢𑇀𑆣𑆳𑆩𑆞𑆵𑆥𑆶𑆑𑆩𑆤𑆩𑆴𑆢𑆶𑆁 ॥ 𑆱𑆥𑆳𑆬𑆴𑆟𑆥
𑆜𑆳 𑇅 𑆮𑆳 𑇅 𑆜𑆳𑆓𑆼 ॥ 𑆥𑆷𑆥𑆠𑇀𑆠𑆁 𑆥𑆷𑆠𑆶𑆩𑆜𑆮𑆠𑆶𑆂 𑆯𑆶𑆨𑆁𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶 ॥

५७७

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

478

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

वत्रिउक्लेवते:भभाण्किलिङ्घव:पसु
पउविमैथाङ्घ व: मिरभृभगिडु टेउ
टिलकलृकत्यकुभं विमाकक्कलाभद्रं
वसविभृसृभावंठसा ॥५॥ उमीयमु
रवादिनी विभलवागिणामावलसृ ए
गरु नगादिनी भीउगियं भभानुाभउ ॥

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

485

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri

[illegible]
[illegible]
[illegible]

486

CC-0 Ayaz Rasool Nazki Sharada Collection. Digitzed by eGangotri